

Technology Assisted Learning Across All



A screenshot of a Microsoft Word document. The title 'Knowledge & Curriculum Across The Curriculum' is centered at the top. Below the title, there is a section titled 'Presented By' containing the name 'SRI PUCHORN CHAIYAPORN'. On the right side of the screen, there is a vertical sidebar with various icons and a small profile picture of a person.

The screenshot shows a presentation slide titled "प्राचीन विद्या की विकास" (Development of Ancient Education) in Hindi. The slide contains five numbered points in English and their corresponding Hindi translations. To the right of the slide is a sidebar with a user profile picture, a search bar, and several icons for navigation and settings.

A screenshot of a video player window titled "Video 1234 by pimsingh". The main frame displays a dark, mostly black video frame with a small white play button in the center. To the right is a sidebar with various controls: a play/pause button, a volume icon, a brightness icon, and a zoom icon. Below these are buttons for "Next", "Previous", "Stop", and "Home". On the far left, there's a "Search" bar and a "Help" link. The bottom of the screen shows a toolbar with icons for file operations like "New", "Open", "Save", "Print", and "Exit".

Unit 1.Knowledge and Education

ज्ञान आणि अभ्यासक्रम

1.1 Data, Knowledge, Information, skills, wisdom
ज्ञानाची विविध संरचना

1.2 Sources and Generation of Knowledge
ज्ञानाचे स्रोत आणि उत्पत्ती

1.3 Modern child centered education: Learning through activity
अधिकारीक शिक्षणाची कृतिगत शिक्षण

1.4 Modern child centered education: Learning through discovery
अधिकारीक शिक्षणाची कैवल्यगत शिक्षण

A screenshot of a digital learning platform. The main content area displays "Unit 2. Dimensions of Curriculum" in English and "प्रायोगिकनाव पर्याय" in Hindi. Below the title, it says "1 Credit". A sub-section titled "2.1 Meaning, Concept and types of Curriculum" is visible. To the right, there is a vertical sidebar with various icons and labels, including "Home", "Logout", "Profile", "Dashboard", "Assignment", "Assessment", "Quiz", "Video", "Document", "File", "Help", and "Feedback". The bottom of the screen shows a navigation bar with icons for back, forward, search, and other system functions.

2.4 Development of Curriculum— Models of curriculum construction (Hilda Taba model, Tyler model) with respect to following points:

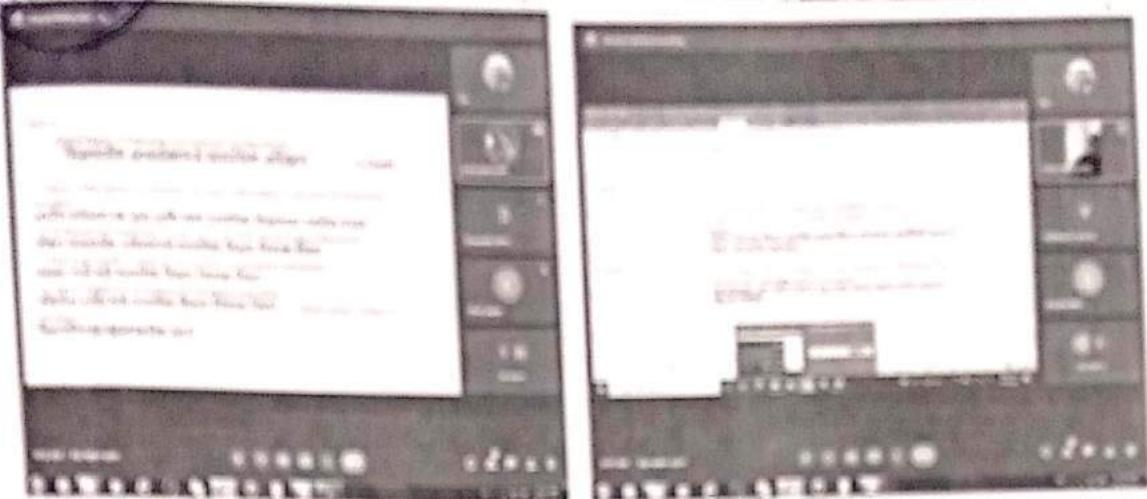
अभ्यासकार विकासन—अभ्यासकार विकासनाच्या उपर्याती (हिल्डा टाबा प्रारूप,टायलरचे प्रारूप

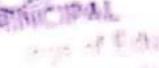
- (i) Planning of curriculum
- (ii) Curriculum Design
- (iii) Curriculum Transaction
- (iv) National curriculum framework – 2005

राष्ट्रीय अभ्यासक्रम आरावडा 2005

[Handwritten signature over the bottom right corner]

PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Eklahare Tal. & Dist. Nashik.




PRINCIPAL
Mr.  S. R. Venkatesh
Education & A.C.E., Mysore

1990-1991
1991-1992
1992-1993
1993-1994

卷之三

1990-1991
1991-1992
1992-1993
1993-1994
1994-1995
1995-1996
1996-1997
1997-1998
1998-1999
1999-2000
2000-2001
2001-2002
2002-2003
2003-2004
2004-2005
2005-2006
2006-2007
2007-2008
2008-2009
2009-2010
2010-2011
2011-2012
2012-2013
2013-2014
2014-2015
2015-2016
2016-2017
2017-2018
2018-2019
2019-2020
2020-2021
2021-2022
2022-2023
2023-2024
2024-2025
2025-2026
2026-2027
2027-2028
2028-2029
2029-2030
2030-2031
2031-2032
2032-2033
2033-2034
2034-2035
2035-2036
2036-2037
2037-2038
2038-2039
2039-2040
2040-2041
2041-2042
2042-2043
2043-2044
2044-2045
2045-2046
2046-2047
2047-2048
2048-2049
2049-2050
2050-2051
2051-2052
2052-2053
2053-2054
2054-2055
2055-2056
2056-2057
2057-2058
2058-2059
2059-2060
2060-2061
2061-2062
2062-2063
2063-2064
2064-2065
2065-2066
2066-2067
2067-2068
2068-2069
2069-2070
2070-2071
2071-2072
2072-2073
2073-2074
2074-2075
2075-2076
2076-2077
2077-2078
2078-2079
2079-2080
2080-2081
2081-2082
2082-2083
2083-2084
2084-2085
2085-2086
2086-2087
2087-2088
2088-2089
2089-2090
2090-2091
2091-2092
2092-2093
2093-2094
2094-2095
2095-2096
2096-2097
2097-2098
2098-2099
2099-20100

A photograph of a white rectangular card with handwritten text and several small black inkblots.

100



2/15/2023

मातोश्री एन्सुकेशन सोसायटी संचालित,
मातोश्री शिक्षणशाख महाविद्यालय
एकलहे, नाशिक

पटक ग्र. १ : अध्ययन उपर्याती व अनुदेशन प्रणाली

द्वेषाक : ०५

- १.२ पारापरिक अध्ययन उपर्याती (Learning Theories) :
- २) याकार्सोव्हक:
- असिताना असितानापान उपर्याती (Theory of Classical Conditioning)
- जनक : हालान पैदेचिक याकार्सोव्हक (परिवर्तन याकार्सोव्हक)
- अध्ययन तात्परा : विसित खेतक व विसित प्रतिक्रिया याकारा साहचर्य संबंध प्रश्वासित करणे घडावे अध्ययन.
- खेतक व प्रतिक्रिया याकार्सोव्हक नोवर्सिक संबंध असारो.
- उत्ता. विच याहित्वावर तोकाता याणी मुद्दे.

पटक क्र. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली

प्रेरणा : ०१

- १.२ पारंपरिक अध्ययन उपयोगी (Learning Theories) :
- २) पाठ्यहस्तांशः
- इत्यर्थः उपयोगी चेतक व प्रतिक्रिया वा पठकांवद अपारीत मारे.
- अभियोगान् यज्ञाने सम्बन्ध चोढ़ा होय,
- सर्व ग्राम्याद्ये कल्पि / अध्ययन अभियोगान् प्रतिक्रियाएः पठते.
- प्रतिक्रिया वा संसाधित भस्तात, उत्त. दिवा लाग्नवाराह वा चोडगे.
- उपयोगान् यज्ञाः देव किंवा अपिक वेदेक एक वेदेष्व किंवा एका पाठोरात
मारे त एका वेदकारी संस्कृत भस्तातेती स्वाभाविक प्रतिक्रिया तुमन्या
पेडकारी चोढ़ासे जाते, त्वय्यत जानवर निर्भय होते.
- अध्ययन यज्ञाने अभियोगान् होय,

पाठक क्र. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली	लेपारोग : ०१
<ul style="list-style-type: none"> • १.२ पारंपरीक अध्ययन उपयोगी (Learning Theories) : 	०१
<ul style="list-style-type: none"> • ३) यावदलोक्यः 	
<ul style="list-style-type: none"> • प्रयोग : कुत्ता 	

पटक ग्र. १. : अध्ययन उपर्याती व अनुदेशन प्रणाली

प्रेरणा : ०१

- १.२ पार्थिवीक अध्ययन उपर्याती (Learning Theories) :
- १) पार्थिवीक :
- अध्ययन प्रक्रिया :
- धोतावाद व नेतर अन्.
- आता अपेक्षित उद्दीपक ऐसीका प्रतिक्रिया
- या जिवोतान अधिकारात्मन आसे म्हणालात.
- ऐसीका उद्दीपकात्मक जवाबदी प्रतिक्रिया अधिकारित होण्यासाठी बेळा आहे.
- म्हणून या अधिकारात्मक अधिकारित अधिकारात आसे म्हणालात.

PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Edu. C. B. Tai, & Dist. Hashik

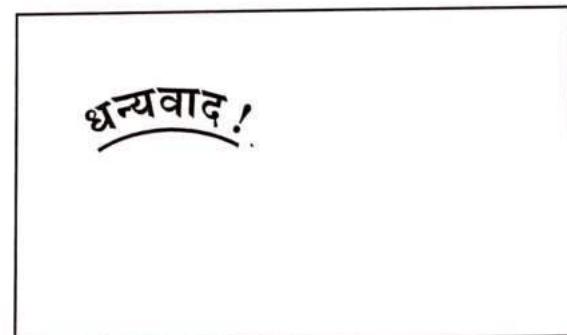


2/15/2023

<p>पटक नं. १. : अध्ययन उपर्याती व अनुदेशन प्रणाली</p> <ul style="list-style-type: none"> • १.२ पारापोरिक अध्ययन उपर्याती (Learning Theories) : • २) पारापोरिक: • अध्ययन विषयक नियम : • ३. उद्दीपक सामान्यीकरण नियम (Law of Stimulus Generalization): • दोन उद्दीपकात्मके बीच सामग्री प्रभावात्मकता पहुँच होते. • सामग्री सहायतास उद्दीपकात्मक सामान्यीकरण होताग नहीं। • उस विषयी उद्दीपक विभिन्नताएँ इवलिंगुल उद्दीपक तथा मिल्काश नहीं। • ४. दृष्टीकरण नियम (Law of Inferece): आवश्यकतावाल अनुरोधिक उद्दीपक नेतर्निक प्रतिक्रिया है संबंधन दृढ़ होते। क्रिया सहज होते जावारक गताते। 	<p>श्रेयोक : ०५</p>
<p>पटक नं. १. : अध्ययन उपर्याती व अनुदेशन प्रणाली</p> <ul style="list-style-type: none"> • १.२ पारापोरिक अध्ययन उपर्याती (Learning Theories) : • २) पारापोरिक: • अध्ययन विषयक नियम : • ३. उद्दीपक विभिन्नतावाल नियम (Extinction of Stimulus): अनुरोधिक उद्दीपकात्मक उद्दीपक उद्दीपक होते। उपर सावधार्वते सोचत (कभी कभी / नहीं) होते जाते। उपर सात बदलावाते सावधार्वते सोचत (कभी कभी होते जाते) ४. दृष्टीकरण विभिन्नतावाल नियम (Differentiation of Stimulus): उद्दीपकात्मक सामग्री-वाला अधिकाधिक प्रतिक्रिया प्राप्ति मिलता होता। मात्र सामान्यीकरण उद्दीपक वाली वापर्दि भावते। उपर दृष्टीकरण प्रतिक्रिया सामग्री होते। 	<p>श्रेयोक : ०५</p>

<p>प्राटक झ. १ : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली</p> <ul style="list-style-type: none"> * अधिकाता अभियान उपयोगी शैक्षणिक उपयोगी : <ol style="list-style-type: none"> i. कृतीवर भर : एकादश शैक्षणिक कृतीवर इलेक्ट्रोनिक अध्ययन पृष्ठ संबंध नहीं। ii. साहस्रवर्ष संस्कार भर : नेटवर्क उपयोग व असेंटिंग उद्दीपक वाचा संबंध बोझाना अपेक्षित करनी थी। आवश्यक नहीं। उदा. नवीन राज्य परिवाय, iii. दोष वाची साक्षात् : अविद्यात अभियान उपयोगी संस्कार भरवायी, स्वरूपता उपयोग विविध जीवनसाधारणा वाचने वाली थी। iv. आवाहन : अध्ययनसाधारणी वाचावा आवाहनि (सामाज) करनी दरागत। v. चुनौतीया वाचनीय विकासम् : चुनौतीया वाचनीय पाठीनीले (लोपण). vi. पाठीकानिकाना उदयोग : वाचावा कृपीनंत लोचय वर्णान देंगे। vii. ड्रेसर्सिपिंगी : अध्ययन होम्यासाठी कोणताना कोणत्या ड्रेसर्सी गोज भासते, viii. उच्चारणी अभियानानावा उदयोग : विविध शैक्षणिक साहित्याचा वापर करणे, 	<p>थेटाक : ०१</p>	<p>■ सारांशसाठी प्रश्न :</p> <ul style="list-style-type: none"> > पाठालेले वी अधिकाता अभियान उपयोग संविस्तर विवर करा, अभियान अभियान उपयोगी शैक्षणिक महात्मा गोदावरीण स्थऱ्य करा। > अधिकाता अभियान घालावे काय? > घोडक्यात ठीका दिला * अधिकाता अभियान उपयोगी अध्ययन विवरक नियम * अधिकाता अभियान उपयोगी शातोव जीवनसाठीत महात्मा
---	--------------------------	---

- संदर्भः
- ही, अपाराहन ह. ना. (जाने, २०१६). अध्यवस्थ व अध्यात्मन् तुमोः मुदिचार
प्रकाशन, पृष्ठ. ३८-४२.
- ही, बहलाल किंगोरा (२०१०), विकास आणि अध्यवस्थावे मानसशास्त्र,
नालिका: इन्साईट पब्लिकेशन, पृष्ठ. १७०-१७१.
- ही, भाग्यो रौतरा, ही, महाराज संगीता. व ही, शोधवाणी देवना, मानसशास्त्रीय
अध्यात्म, अध्यवस्थ आणि विकासाता दृष्टीकोण (जाने, २०१६). विकाशः
प्रसांग पब्लिकेशन, पृष्ठ. ६८-९०.
- ही, भाग्यो रौतरा, ही, महाराज, अध्यवस्थ व अध्यात्मन् (जाने, २०१६).
विकाशः प्रसांग पब्लिकेशन, पृष्ठ. १५३-१५५.



PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Eklaonare Tal. & Dist. Nashik



2/15/2023

मातोश्री एन्युकेशन सोसायटी संचालित,
मातोश्री शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय
एकलहरे, नाशिक

कोर्स: १०३ अध्ययन व अध्यापन (प्रथम वर्ष)

सादरकर्ते:
प्रा. शशिकांत त्र्यं, निकम
(M. A. (Eng.), M. Ed. SET (Education), D.C.M.)

पटक क्र. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली

ब्रेयार्क: ०१

* १.२ पारंपरिक अध्ययन उपयोगी (Learning Theories) :

- १) पौर्वार्थकः
- प्रयत्न-प्रयत्न उपयोगी (Trial and Error) / चेतक-प्रतिकार उपयोगी / संवेदनवादी उपयोगी
- जवाक : एकाई पौर्वार्थकः
- संदर्भ ईंटः Animal Intelligence, १८९८
- अध्ययन तत्त्व : चेतक व प्रतिकार यापनापे निर्माण होणारा परस्परसंबंध
म्हणूने असाय होय.
- चुका आणि विकार

पटक क्र. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली

ब्रेयार्क: ०१

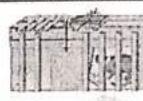
* १.२ पारंपरिक अध्ययन उपयोगी (Learning Theories) :

- १) पौर्वार्थकः
- प्रयत्नः उपयोगी ३ प्रयत्नकार आपारात आहे.
- i) चेतक विकास उर्ध्वाधः परिस्थितीवर्य घटक
- ii) प्रतिकार विकास प्रतिक्रिया : गोणवाची कृती
- iii) चेतक प्रतिक्रियावापनाचे निर्माण होणारे संबंधन; प्रत्येक चेतक कोणत्याचा नोंदावा प्रतिक्रियेची निर्दृष्ट असाय.
- अध्ययन उपयोगी यापनाचा चेतक व प्रतिकार यापनापे निर्माण होणारे परस्परसंबंध.
- अध्ययन झालेले म्हांडे कोणत्याही चेतकाचा कोणत्याही प्रतिक्रियेची
साहचर्य संबंध दुःखालेला असाय.

पटक क्र. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली

ब्रेयार्क: ०१

* १.२ पारंपरिक अध्ययन उपयोगी (Learning Theories) :

- १) पौर्वार्थकः
 - प्रयोगः मुकेलेले याज
- 
- मुकेलेले याज ठेवले व बाबत खाण्य म्हणून मासा ठेवला.
खाण्य निर्बाधयाचा प्रवाना
हातचाली इच्छाक स्वरूपाचा
ठेंटीलील कळ/दाढा संबंध दावता जाणे व दार उपहारे.

पटक क्र. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली

ब्रेयार्क: ०१

* १.२ पारंपरिक अध्ययन उपयोगी (Learning Theories) :

- १) पौर्वार्थकः
- प्रयोगः मुकेलेले याज
हा प्रयोग सतत केला.
परिस्थिती प्रस्तुत्यापेक्षा नोंदावा
- प्रयाणाचा वेळ कमी होत नेता.
सेवटी याज आज कोडले की तपेय कळ शाबून काहेर वेळे व खाण्य मिळविले.
म्हणूने याज खाण्य निर्बाधयाचा निकाले.
त्यावे खाण्य निर्बाधयाचे अध्ययन पूर्ण होणे.

पटक क्र. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली

ब्रेयार्क: ०१

* १.२ पारंपरिक अध्ययन उपयोगी (Learning Theories) :

- १) पौर्वार्थकः
- अध्ययन प्रतिक्रिया :
- i) योगः मास निर्बाधयाची तीव्र प्रेरणा
- ii) योगाचालक हातचाल : अदृष्टात पोहोचयनामाती हातचाली
- iii) योगाचालने दण : कोणतोही वैदिक श्रम व येता दण नियमाचे
- iv) यांत्रजागीतुळे दृढीकरण : यांत्रजे निर्माण होणारे संबंधन, प्रत्येक चेतक
कोणत्याचा निर्दृष्ट असाय.



PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Eklahare Tal. c. Dist. Nashik

1



Scanned with OKEN Scanner



2/15/2023

पटक नं. १ : अध्ययन उपर्याप्ती व अनुदेशन प्रणाली	ब्रेयाक : ०१
• १.२ पार्सिप्रियक अध्ययन उपर्याप्ती (Learning Theories) :	
• १) सोनेंडाइक :	
• अध्ययन विषयक नियम :	
• १. तात्पार्यान्वयन नियम(Law of Readiness):	
• एकारी गोष्ठी निकायाची हातारी असते, त्थावेची ती निकायाचा प्रवान बोला तरी ती मुश्किल होती.	
• तात्पार्यान्वयन अध्ययन मानसिक अभ्यू शकते.	
• २. साराजापा नियम(Law of Practice):	
विशिष्ट पारिसिवरी व विशिष्ट प्रतिक्रिया आणा संबंध जोडता जातो तेवा तो संबंध बढावतो.	
एकव किंवा आवाह केली तर ती दृढ होते.	

पटक नं. १ : अध्ययन उपर्याप्ती व अनुदेशन प्रणाली	ब्रेयाक : ०१
• १.२ पार्सिप्रियक अध्ययन उपर्याप्ती (Learning Theories) :	
• १) सोनेंडाइक :	
• अध्ययन विषयक नियम :	
• ३. परिणामाण नियम(Law of Effect):	
परिणाम सुरुवातात जातो तेव्हा संबंध बढावतो, संबंध दृढ होत जातात.	
४. प्रतिक्रियेया समार्थकतेचा नियम(Law of Belongingness):	
संबंध दृढ करण्यासाठी प्रतिक्रिया विशिष्ट पारिसिवरी अध्ययन व अर्थाती असती पाहिजे.	
५. परिणामाण विशिष्टपणा नियम (Law Of Spread of Effect):	
एकारा प्रतिक्रियेया जर प्रतिक्रियिक रूपे देते तर प्रतिक्रिया बढावते, व प्रतिक्रियेया विवरण्या देणाऱ्या जर प्रतिक्रियासाठी विवरण्या.	

पटक नं. १ : अध्ययन उपर्याप्ती व अनुदेशन प्रणाली	ब्रेयाक : ०१
• सोनेंडाइक अध्ययन उपर्याप्तीचे शीर्षकांक उपयोगः	
i. शारीरिक वार्षिक अहवालीची शीर्षकांक कोराल्ये विशेषज्ञाने उपृष्ठक तरी वारी.	
ii. अध्ययनकामाची मानसिक तंत्रीयांचा अध्ययन करणे आवश्यक असते.	
iii. अध्यापन व कलाता विद्यार्थ्यांच्या अभियांवयांचा विद्याकरणे आवश्यक असै.	
iv. अध्यापनासाठी प्रेणा विनाशी करणे आवश्यक असते.	
v. विद्यार्थ्यांनी अध्यापनासाठी अध्ययन तंत्र बनाविणे.	
vi. शोण उत्तम आवाह वर्तनात शोण प्रतिसार देणे आवश्यक असते.	
vii. बद्दीत वा घोटाळान्वयन विद्यार्थ्यांची अध्ययन करण्यात प्रवृत्त होतात.	

■ सरावासाठी प्रत्र :
► अध्ययन संकलनांचा संकलनाचा संदर्भ करा.
► अध्ययन संकलनांचा कायदे काय? अध्ययन संकलनांचे प्रकार सांगून अध्ययन संकलनाचा वर्णन करा.
► शोटकलाता टीव्हा विवर
■ अध्ययन संकलन
■ अध्ययन संकलनांचे प्रकार

■ संदर्भ :
■ दृ०, जगतार र०, नां. (जाने, २०१६), अध्ययन व अध्यापन, तुळै: मुख्यालय प्रकाशन, पृष्ठ क्र. ३१-३२.
■ दृ०, वचाळांग विळोर (२०१०), विकास आणि अध्ययनाचे मानसंसाधार.
■ नागरिक: इन्सार्ट्स परिवर्तनाव, पृष्ठ क्र. १७४ - १७५.
■ दृ०, भाग्यो शैताना, दृ०, महावर संगीता, दृ०, सोनणणे रेड्या, मानसंसाधारी अध्यापन, अध्ययन आणि विकासाचा दृ०टीकोण (जाने, २०१६), नव्हावळ.
■ प्रशांत परिवर्तनाव, पृष्ठ क्र. ६५-६६.
■ दृ०, मंगाळे शैताना, दृ०, महावर, अध्ययन व अध्यापन (जाने, २०१६).
■ वडगाव: प्रशांत परिवर्तनाव, पृष्ठ क्र. १५०-१५१.

धन्यवाद!


PRINCIPAL
 Matoshri College of Education
 Eklahare Taty. & Dist. Nashik



2/15/2023

मातोश्री एन्युकेशन सोसायटी संचालित,
मातोश्री शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय
एकलहे, नाशिक
कोर्स: १०३ अध्ययन व अध्यापन (प्रथम वर्ष)
सादरकर्ते:
प्रा. शशिकांत श्री. निकम
(M. A. (Eng.), M. Ed. SET (Education), D.C.M.)

- पटक ग्र. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली शेषांक : ०१
- १) धन संक्रमण (Positive Transfer) :
 - एक पौरीसिखतीत पेतलेले ज्ञान नवीन पौरीसिखतीत अध्ययन करण्यासाठी उपयुक्त ठरते.
 - नवीन अध्ययन करतानाचा वेग वाढविण्यासाठी निवा दर्ता सुपारण्यासाठी उपयुक्त ठरते, त्यावेळी त्या अध्ययन संक्रमणाता प्रधान संक्रमण आणे म्हणतात.
 - उढा, मार्गी व्याकरणाचा इंग्रजी व्याकरणाच्या अध्ययनात उपयोग होते.

पटक ग्र. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली शेषांक : ०१

- १.१ अध्ययन संकलनप्रणाली:
- १.२ अध्ययन संक्रमण :
- व्याख्या :
- एक विशिष्ट पौरीसिखतीयभेद संरक्षित केलेले ज्ञान, कौशलय किंवा वृत्ती चिन्ह यांची विशिष्टी उपयोग होते किंवा काणाऱ्या घटनावर अध्ययन संक्रमण होय.
- एक पौरीसिखतीतीत अध्ययनाचा दुर्बल्या विचाराचा अध्ययनाचा अनुदेशन क्रियाकृत परीक्षण होतो किंवा कोणताचा परीक्षण होत नाही शातावद अध्ययन संक्रमण असे म्हणतात

पटक ग्र. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली शेषांक : ०१

- २) ग्राण संक्रमण (Negative Transfer) :
- एक विशिष्ट पौरीसिखतीत केलेले अध्ययन नवीन पौरीसिखतीत अध्ययन करताना अदृष्टद्वा निर्भाग करते व नवीन अध्ययनाचा वेग कमी करण्यास किंवा त्याचा दर्ता कमी करण्यास काळीभूत ठरते, तेव्हा त्याता कण संक्रमण आणे म्हणतात.
- उढा, मार्गीतीतीत दिंग वयन याचा अभ्यास केल्यास हिंदीतीत दिंग वयन याचा अभ्यास करताना खूप चुका होतात.

पटक ग्र. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली शेषांक : ०१

- १.१ अध्ययन संकलन:
- १.२ अध्ययन संक्रमण (Transfer of Learning):
- अध्ययन संक्रमण प्रकार

अध्ययन संक्रमण प्रकार		
१. संक्रमण २. द्विसंक्रमण ३. शून्य संक्रमण		

पटक ग्र. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली शेषांक : ०१

- ३) शून्य संक्रमण (Zero Transfer) :
- एक विशिष्ट पौरीसिखतीत केलेले अध्ययन किंवा ज्ञानाचा नवीन पौरीसिखतीत अध्ययन करताना उपयुक्त ठरत नाही किंवा अदृष्टद्वा निर्भाग करीत नाही, तेव्हा त्या अध्ययन संक्रमणाता शून्य संक्रमण आणे म्हणतात.
- उढा, साधकाल चालविण्याच्या अध्ययनाचे किंवा ज्ञानाचे संगणक चालविण्याच्या अध्ययनाचर सोणताती परीक्षण होत नाही.


PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Eklahe Tal. & Dist. N. S. hik



पटक नं. १ : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली

प्रेयोक : ०१

* १) अध्ययन संकलनावर परीक्षा फॉर्म एवं पटक :

- i. अध्ययनकर्त्त्वाची मुद्रितता
- ii. अध्ययन पद्धती
- iii. गृही विकास

■ संदर्भ :

- डॉ. चंद्रशेखर ह. ना. (जने. २०१६), अध्ययन व आध्यात्म. पुस्तक: मुख्यवाच प्रकाशन, पृष्ठ नं. २३-३१.
- डॉ. चंद्रशेखर ह. ना. (जने. २०१०), विकास आणि अध्ययनाचे मानसाकार, नाविक, इमाराट विद्यालयकाम, पृष्ठ नं. १८९-१९३.
- डॉ. भाग्यलक्ष्मी शेत्कार, डॉ. यशोदन सोंगोळा, व डॉ. सोनमचंद्र जवळा मानसाकारीय आध्यात्म. अध्ययन आणि विकासाचा दृष्टीकोण (जने. २०१६), जवळावः प्रशांत विद्यालयकाम, पृष्ठ नं. ५६-६१.

पटक नं. १ : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली

प्रेयोक : ०१

* १) अध्ययन संकलनावर ईक्षणिक महात्म :

- i. अध्ययनकर्त्त्वाची ईक्षणिक महात्म व संदर्भानुसार, व डॉ. निर्मिती करीत आहो. (डॉ. निर्मिती)
- ii. मूल अध्ययन व नोंदवणे अध्ययन योग्या आराय, पद्धती व तंत्र यापनपैस सम्पूर्ण असाऱ्ये आवश्यक आहो.
- iii. विद्यार्थ्यांनी केवळ समाजाना न शोधता त्यांतील तात्त्व समजावृद्धी येणे आवश्यक आहे.
- iv. नवीन डान किंवा अध्ययन नवीन ईक्षणिकीत कसे घाराबाबे हे शिक्षकांने सापेक्ष महत्वाचे आहे.
- v. अभ्यासाक्रमाचा दैदिन जीवनाची संबंध ठेंसेच समन्वय सापेक्षा याहीते.
- vi. विविध विषयांपैकी शहस्रबंध प्रस्तावीत बरायाचा.
- vii. समस्या निराकरणावर भर द्यावा, उदा. उदाहारणे सोहऱ्यावर भर द्यावा.
- viii. विड्यानामध्ये निरीक्षण करून नियर्कर्त्त्वाची काढण्याची सर्वव लाभावी.

धन्यवाद !

■ सरावासाठी प्रश्न :

- अध्ययन संकलनावर संकलनावर स्पष्ट करा.
- अध्ययन संकलनावर म्हणावे काय? अध्ययन संकलनावरे प्रकार सांगून अध्ययन संकलनावर परीक्षाम करायाते पटक सोडाहण स्पष्ट करा.
- दोहरवात टीका तिता
- अध्ययन संकलनावर
- अध्ययन संकलनावर प्रकार


PRINCIPAL
 Matoshri C. E. Education
 Elphinstone Institute



2/15/2023

मातोश्री एन्युकेशन सोसायटी संघालित,
मातोश्री शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय
एकलहरे, नाशिक
कोर्स: १०३ अध्ययन व अध्यापन (प्रथम वर्ष)

सादरकर्ता :
प्रा. शशिकात च्य. निकम
(M. A. (Eng.), M. Ed. SET (Education), D.C.M.)

पटक क्र. १. : अध्ययन उपपत्ती व अनुदेशन प्रणाली

* १.१ अध्ययन संकल्पना: Contd.)

* व्याख्या :

- * ड्राइड को – Learning involves the acquisition of habits, knowledge and attitudes.
- * अध्ययनने व्यक्ती काही सवारी, ज्ञान व वृत्ती संपादित करते.
- * ग्लोट – नव्या पीढियांतीता प्रतिसाद रेण्याचे आयोजन नव्या कृतीमुळे आणण करतो ती कृती म्हण॑ने अध्ययन होय.

ब्रेयाक : ०१

पटक क्र. १. : अध्ययन उपपत्ती व अनुदेशन प्रणाली

ब्रेयाक : ०१

* १.१ अध्ययन संकल्पना:

- * अ व्याख्या, अर्थ, औपचारिक, अनौपचारिक, सहज
- * संकल्पना;
- * एकाचा प्रश्नामुळे अधिकांशगणामुळे व्यक्तिगत्या वर्तवात होणारा कायमधरकी बदल म्हण॑ने अध्ययन होय.
- * अध्ययन ही सतत घातनाची प्रक्रिया आहे, प्रालेक व्यक्ती कायमधरासाठू ते भोपर्वत अध्ययन करीत असतो.
- * ऊरा, एकाची युद्ध व्यक्ती वा इण मृत्यु शर्येव असाऱ्याना होस्टर एकादे नवीन औषध देणारा त्या औषधाची याव नवीन तातो यागदेव त्या व्यक्तीचे अध्ययन होते.

पटक क्र. १. : अध्ययन उपपत्ती व अनुदेशन प्रणाली

ब्रेयाक : ०१

* १.१ अध्ययन संकल्पना:

- * अर्थ :
- * अध्ययनात व्यक्तिगत विकास अवलंबू असतो.
- * अध्ययनात व्यक्तिगत गांधीरिक, भावनिक, मानविक, भौद्दिक विकास होत असतो.
- * अध्ययनामुळे व्यक्तिगत अवोपाधारक, ज्ञानात्मक, प्रेणात्मक व भावात्मक रचनेनमध्ये वातावरणात्मानुसून बदल होतात.
- * म्हण॑ने अध्ययन म्हण॑ने वर्तनवदत होय.

पटक क्र. १. : अध्ययन उपपत्ती व अनुदेशन प्रणाली

ब्रेयाक : ०१

* १.१ अध्ययन संकल्पना:

- * व्याख्या :
- * नोव्हेन मन – Learning is the process of being modified more or less permanently, by what happens in the world around us, by what we do, or by what we observe.
- * अध्ययन ही एक प्रक्रिया आहे, व या प्रक्रियेद्वारे आपल्या वर्तवात कमी अधिक प्रभावात कायमधरकी बदल पडू येत असतो.
- * हितार्ह – Learning is the process by which behaviour is originated or changed through practice or training.
- * वर्तवात होणारा बदल हा साधव व प्रशिक्षणाने होतो तरीवे अध्ययन तत्काल होत नाही.

पटक क्र. १. : अध्ययन उपपत्ती व अनुदेशन प्रणाली

ब्रेयाक : ०१

* १.१ अध्ययन संकल्पना:

- * औपचारिक, अनौपचारिक, सहज अध्ययन :
- * प्रावेस व्यक्ती शावेते वा महाविद्यालयात विशिष्ट उद्दीप टेक्स अध्ययन करते त्या अध्ययनाता औपचारिक अध्ययन असे म्हणतात.
- * अनौपचारिक अध्ययन : अध्ययन करीत असाऱ्याता विशिष्ट उद्दीप नसते तात अध्ययन होत असते तात अध्ययनाता अनौपचारिक अध्ययन असे म्हणतात.
- * सहज अध्ययन : काही वैदेशी सहजातीया त्याच्या नकळत त्याचे अध्ययन होते तात अध्ययनाता सहज अध्ययन असे म्हणतात.

PRINCIPAL
Matoshri C of Education
Eklahe Nasik



पटक नं. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली श्रेयोक : ०१

- * १.१ अध्ययन संकल्पना:
- * घ) अध्ययन प्रक्रिया :
- * अध्ययन प्रक्रियेती विशिष्टये:

 १. अध्ययन ही सारी चालनारी प्रक्रिया आहे.
 २. अध्ययन ही सारी चालनारी प्रक्रिया आहे.
 ३. अध्ययन ही शुरूप व विशिष्टये प्रक्रिया आहे.
 ४. अध्ययन ही बचाव असी कायम खालील आहे.
 ५. अध्ययन ही सारीक चालनारी प्रक्रिया आहे.
 ६. अध्यायनामध्ये विविध मानसिक प्रक्रियांचा समावेश होतो.
 ७. अध्ययन हे सर्व प्रकाराच्या वर्तनारी निरीत आहे.
 ८. अध्ययन ही चीवातील मूलभूत प्रक्रिया आहे.

पटक नं. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली श्रेयोक : ०१

- * १.१ अध्ययन संकल्पना:
- * अध्ययन प्रक्रिया , अध्ययन घडक (Learning Curve)

अध्यायनवर्ता वेग अवश्य अनुदेशनारी प्राती वाढी होतो?

चालाई आसेहु काढता जातो, त्याता अध्ययन घडक असे म्हणावत.

पटक नं. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली श्रेयोक : ०१

- * १.१ अध्ययन संकल्पना:
- * अध्ययन प्रक्रियेती स्वरूप :

 १. गोलीबोर्ड (Goal Oriented):
 - गोलीबोर्ड हे शर्केट निर्धारित होते, अध्ययन ही वर्तन प्रक्रिया असल्यानुसारे ही गोलीबोर्ड चालाई जाती आहे.
 २. इंतेसिव (Motivates):
 - अंदोली किंवा होणाराती देणेची अवासरका असते.
 ३. एक्सोरियल हायरेक्स्प्लोरेशन (Exploration):
 - गोलीबोर्डाची देणेवरूपाचा वापरीच असलेले कायम साठाते, दोष वापरीच स्वीकार करावे शर्केटवारक असतात.
 ४. रिव्यू (Reviews):
 - गोलीबोर्डाची शोधावारक इतताचारीची चालाक आवश्यक करावी द्यावात.

पटक नं. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली श्रेयोक : ०१

- * १.१ अध्ययन संकल्पना:
- * अध्ययन प्रक्रिया :
- * अध्ययन वाळाचे टप्पे :

अध्ययन प्रक्रियेती वेगाप्पे होणारा कमीचालपणा होते,

१. वंद ग्राहीया काळ :
- मुख्यातील अध्यायवाचा वेग हा कमी असतो,
२. जलद ग्राहीया काळ :
- नवीन परिवर्तीने आवलन झाले वीच प्रतीक्षित लहानीच वाढ होते,
३. पठावावध्या :
- जलद ग्राहीयाने तुवे प्राती न दिसता ती प्राती चांबलाचार्जी दिसते.

पटक नं. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली श्रेयोक : ०१

- * १.१ अध्ययन संकल्पना:
- * अध्ययन प्रक्रियेती स्वरूप :
- (Contd.)
- ५. मर्दार्थ (Insight):
- गोले ग्राहीया दृष्टीने अध्यायात एकोदे मर्द लक्षण नेते,
- चालाई अंतव्यात वाढवा कर्तवे,
- ६. वर्तनारी पुर्वरूप्या (Modification of Behaviour):
- हालचाल जलद करावे, काफीदारपणे करणे कर्तवी तपात काळा येणे.

पटक नं. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली श्रेयोक : ०१

- * १.१ अध्ययन संकल्पना:
- * अध्ययन प्रक्रिया :
- * अध्ययन वाळाचे टप्पे :
- (Contd.)
- ५. जलद ग्राहीया काळ :
- पठावावारेता तुवा अध्यायाच्या वेगात घेणे प्राती चालेली दिसू देते,
- ६. मानसिक व मानसिक पार्श्वातीया (भूमिका) :
- प्रतेक व्यक्तीली अध्ययन काऱ्याची शारीरिक व मानसिक मर्दार्थ वेणुकोळी आहे.
- ती घटविने असत कठीण कायम आहे.


PRINCIPAL
 Matoshri College of Education
 Eklahe Tal. Chal. Nashik

पटक क्र. १. : अध्ययन उपपत्ती व अनुदेशन प्रणाली श्रेयोक : ०५

- * १.१ अध्ययन संकल्पना:
- * अध्ययन प्रक्रिया :
- * अध्ययन वाकासे टप्पे : (Contd.)

अध्ययन वाकासे टप्पे शैक्षणिक महाव :

- मुख्यालीत अध्ययनवाच वेळ वाचत असू रहे,
- विद्यार्थ्यांती शाळी होल्यामाडी बोलावत शाहे,
- अध्ययनवाच दोयवेळी विद्यार्थी रोऱे,
- अध्ययनात अपूर्वोदेहे लक्ष वेळे,
- प्रश्ने विद्यार्थ्यांत त्वचा कुमारीची याणीच करन रोऱे.

पटक क्र. १. : अध्ययन उपपत्ती व अनुदेशन प्रणाली श्रेयोक : ०५

- * १.१ अध्ययन संकल्पना:
- * डू अध्ययनावर परीणाम करणारे पटक : (Contd.)
- * ग) परीक्षिती:
- * १. कुरुक्षुः: मुदुबाचा सामाजिक व आर्थिक दर्जाचा बालकाच्या अध्ययनावर परीक्षा होत असतो.
- * २. लिंग : शी व पुरुष यांच्यालीत शारीरिक भेदाचा अध्ययनवाच परीक्षा होतो.
- * ३. गोतार: विद्यार्थी याच दिक्काती राहतो, ताचे नियामस्थान व तेवील पालावाचा अध्ययनावर परीक्षा होतो.
- * ४. शाळाचा: विद्यार्थी याच गाळेत अध्ययन करतो त्वा गाळेचा देवीत अध्ययनावर परीक्षा होतो.
- * ५. विष, संसारात: विद्यार्थी याच विज्ञानाते आवृत्त वेळ पालवतो त्वा विष संवाराचा देवीत अध्ययनावर परीक्षा होतो.

पटक क्र. १. : अध्ययन उपपत्ती व अनुदेशन प्रणाली श्रेयोक : ०५

- * १.१ अध्ययन संकल्पना:
- * अध्ययन प्रक्रिया :
- ग) निरीक्षण व अनुकरणाद्वारे अध्ययन :
- * प्रत्येक व्यक्ती वा विद्यार्थी हा निरीक्षण किंवा अनुकरणाद्वारे अध्ययन करत असतो.
- * उदा. एकादी व्यक्ती दुसऱ्या व्यक्तिद्वारे होणाऱ्या वर्तमाचे रिटीक्षण करते.
- * तसेच अनुकरण रेखील करते. (लहान वाळाचे वर्तन.)
- * निरीक्षण ही एक व्यापक संकल्पना आहे.

पटक क्र. १. : अध्ययन उपपत्ती व अनुदेशन प्रणाली श्रेयोक : ०५

- * १.१ अध्ययन संकल्पना:
- * डू अध्ययनावर परीणाम करणारे पटक : (Contd.)
- * ग) परीक्षिती:
- * ६. मानसिक प्रक्रिया :
- * i. पकडता: अध्ययनाती अध्ययनकर्त्त्याचा पाश्वेची असरंत गरज आहे. त्वा, पकडताची यांचने संतानु प्रवृत्त आलेले यांचिंदे.
- * ii. अभ्यास व अभिलः: अध्ययनाती तो पटक जागृत घेण्याची इच्छा व त्वा बाबीच जागीच वर्तित करणे.
- * iii. वकळा व कंटकळा: एकच काम मात्रालाने केल्यामध्ये वकळा घेतो तसेच एकादी गोई तिकाळाचा कंटकाळा घेतो.
- * iv. अभोरणा : मनावर ददण असेल तर अध्ययन परीणामकाक दीत नाही.
- * v. शाळा व अलांकार प्रेषण : अध्ययनाती देवेची आवश्यकता असते.

पटक क्र. १. : अध्ययन उपपत्ती व अनुदेशन प्रणाली श्रेयोक : ०५

- * १.१ अध्ययन संकल्पना:
- * डू अध्ययनावर परीणाम करणारे पटक :
- * अ) अनुरोद :
- * अ. वर्षात, आरोऱा जातोचा व आपल्या पूर्वांकदृष्ट असलेलाचा विकासेतील देशी व्यापे असुन्न रहे.
- * आपलेली दुप व्याप, गोरी व्याप व दुविजला ही अनुरोदी विकासेतील जाते.
- * च अनुदेशनाचा अध्ययनावर रोणाऱ्या होतो.
- * द) गुरुर राष्ट्रां: गुरुर व भावावक वाचावर अध्ययन प्रक्रियेत महालाचे उठे.
- * ऐत-दाराची ट्रॅन्सी: दाराची गाईल असेही जाते, नवत वेळेवढे दार नियान ठोऱ असतात.
- * ए वाच तका विचाराता. का शाशांमुळे वाचाचे वार्ता मात्रि किंवा प्रतिक्रिया उपार्थी होता असकात.

पटक क्र. १. : अध्ययन उपपत्ती व अनुदेशन प्रणाली श्रेयोक : ०५

- * १.१ अध्ययन संकल्पना:
- * डू अध्ययनावर परीणाम करणारे पटक : (Contd.)
- * प्रेरणा निर्माण करण्याचे मार्ग :

 - विद्यार्थी कैंटिंग अभ्यास
 - नविक्षय
 - भावनिक मुद्रितता
 - स्पर्शावल कालवला
 - अध्ययनावर सुप्रकृत कल्पना
 - प्रतीकी झाल
 - प्रसंसांव निर्दा
 - पारितोषिके व विशा


PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Eklahare, ... Dist. Nashik

■ सरावासाठी प्रश्न :

- अध्ययन संकल्पना स्पष्ट करा.
- अध्ययन म्हणाऱ्ये काया? अध्ययनाचा परीक्षाय करालांग पटक सोडाहण स्पष्ट करा.
- अध्ययन संकल्पनेचा अर्ध सांगून औरतारीक, अलौरचातीक, य सहज अध्ययन संकल्पना स्पष्ट करा.
- शोदृश्यात टीया तित्ता
- अध्ययन संकल्पना
- अध्ययन वक्ता
- अध्ययन वक्तांचे टंडे

■ संदर्भ :

- दॉ. जगतार ह. ना. (जने, २०१६), अध्ययन व अध्यायन, पुस्तक: मुमिनार प्रकाशन, पृष्ठ. ०१-२२.
- दॉ. यशवन विठ्ठोरा (२०१०), विकास आणि अध्ययनाचे यानवस्तार, नागिक: इन्साईट प्रकाशकालय, पृष्ठ. १५७-१६१.
- दॉ. भागाळे शेतवा, दॉ. महावन सोंगीता, अध्ययन - अध्यायन, यशवनावळ प्रशान्त प्रकाशकालय, पृष्ठ. १३२-१४१, १५८-१६१

धन्यवाद!

PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Eklahe Tale, Dist. Nashik

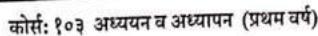


2/15/2023

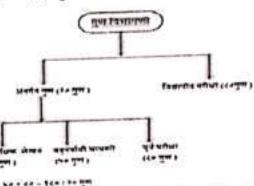
मातोश्री एज्युकेशन सोसायटी संचालित,
मातोश्री शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय
—
प्राप्ति संस्कृत

कोर्स: १०३ अध्ययन व अध्यापन (प्रथम वर्ष)

सादरकर्ते :
प्रा. शशिकांत त्र्यं, निकम
(M. A. (Eng.), M. Ed. SET (Education), D.C.M.)



कोटि : १०३ अध्यायन व अध्यापन सेप्टेम्बर : ०५ एकूण गुण : ५०
 प्राविलिक कार्य : २० गुण विद्यार्थी परीक्षा : ८० गुण एका गुण : १०० गुण



प्रदर्शन का	प्रदर्शन के उपयोगकारी	प्रयोगकारी	एकत्रित गुण : ८०
प्रदर्शन अ. १.१ मनवान वस्त्रालय के अनुदर्शक प्रयोगकारी			
१.१ अवधारणा बनाना			
(१) स्थायी, अस्थी, और रोधाती, मनवान वस्त्र			
(२) मनवान वस्त्र			
(३) विस्तृत मनुष्यवस्त्रालय मनवान			
(४) मनवान वस्त्रालय करना वाला			
(५) अवधारणा बनाना			
(६) अवधारणा बनाना			
१.२ प्राचीन वस्त्रालय :			
(१) हीरोइन			
(२) पारावान			
(३) विकास			
(४) विकास			
(५) विकास वस्त्रालय			

१०३ : अध्ययन व अध्यापन :
क्रमांक : १०३ अध्यापन व अध्ययन सेवाक : ०४ एकाग्रता : ६०
पदक व उपदेश पदक व उपदेश सेवाक : ०१
पदक : २ अध्ययनसतील संकीर्ति सेवाक : ०१
१. उपवास ।
२. लाभिकोऽ-पूरुष कोहोत्तम उपवास ।
३. शैवालिक उपवास ।
४. द्वाष्टावाचाराद्वारा उपवास ।
५) शोषणाद्वारा उपवास । (सकृदानन्द, इवत्तु)
६) मक्षेत्रपाद मास, शोषणाद्वारा उपवास ।
७) ज्ञानवाचाराद्वारा वार्षिक शैवालिक उपवास ।
८. द्वाष्टावाचाराद्वारा उपवास ।
९. द्वैतावाचाराद्वारा अध्ययन व अध्यापन ।

Gul

PRINCIPAL
Matoshri Gyan Education
Eklabhashik



2/15/2023

पटक क्र. १. : अध्ययन उपराती व अनुदेशन प्रणाली	ब्रेयाक : ०५
* १.१ अध्ययन संकल्पना:	
• अ) व्याख्या, अर्थ, अधिनाराक, अनोन्याराक, सहज	
• संकल्पना:	
• एकाग्र प्रशंसामुळे अवश्य अवश्यामुळे व्यक्तिचा वर्तनात होणारा कायमस्वरूपी बदल होते आणि अध्ययन होय.	
• अध्ययन ही सहज चालानाती प्रक्रिया आहे, प्रत्येक व्यक्ती जमात्यामात्रूने सेरेवैत अध्ययन करीत असतो.	
• ऊरा, एकाई बुद्ध व्यक्ती वा शृंग मूर्तू शास्त्रेवर असलाना दोस्रा एकाई नवीन औषध देणारा तो ओषधाची वर नवीन तातो आणि नवीन तात्याची अध्ययन होय.	

पटक क्र. १. : अध्ययन उपराती व अनुदेशन प्रणाली	ब्रेयाक : ०५
* १.१ अध्ययन संकल्पना:	
• व्याख्या :	
• वैर्तन घट – Learning is the process of being modified more or less permanently, by what happens in the world around us, by what we do, or by what we observe.	
• अध्ययन ही एक प्रक्रिया आहे, व या प्रक्रियेवरै आपल्या वर्तनात कमी अधिक प्रमाणात बदलव्याकृती बदल पडून येते आतो.	
• हितगार्ड – Learning is the process by which behaviour is originated or changed through practice or training.	
• वर्तनात होणारा बदल हा सराव व प्रशिक्षणाने होतो तसेच अध्ययन तलकाल होत नाही.	

पटक क्र. १. : अध्ययन उपराती व अनुदेशन प्रणाली	ब्रेयाक : ०५
* १.१ अध्ययन संकल्पना:	
Contd.)	
• व्याख्या :	
• ह्राउड झो – Learning involves the acquisition of habits, knowledge and attitudes.	
• अध्ययनाने व्यक्ती काही सर्वांि, ज्ञान व वृत्ती संपादित करते.	
• यांगोट – नव्या परिस्थितीता प्रतिसाद देण्याचे आयोजन ज्ञा कृतीपुढे आणि करतो ती कृती म्हणजे अध्ययन होय.	

पटक क्र. १. : अध्ययन उपराती व अनुदेशन प्रणाली	ब्रेयाक : ०५
* १.१ अध्ययन संकल्पना:	
• अर्थ :	
• अध्ययनावर व्यक्तीचा विकास अवलंबून असतो.	
• अध्ययनामुळे व्यक्तीचा शारीरिक, भावविकास, मानसिक, चौंडिक विकास होत असतो.	
• अध्ययनामुळे व्यक्तीचा अवयोधायक, जीवात्मक स्वरूपाचे असते.	
• अध्ययनामुळे व्यक्तीचा अवयोधायक, जीवात्मक, प्रेरणात्मक व भावात्मक व्यवेक्षण वातावरणाता अनुसरूप बदल होतात.	
• म्हणजेच अध्ययन म्हणजे वर्तनवदत आहे.	

पटक क्र. १. : अध्ययन उपराती व अनुदेशन प्रणाली	ब्रेयाक : ०५
* १.१ अध्ययन संकल्पना:	
• अनोन्याराक, अनोन्याराक, सहज अध्ययन :	
• प्रत्येक व्यक्ती विविध मार्गाती अध्ययन करीत आवडे,	
• अनोन्याराक अध्ययन : ज्ञा वेळेस व्यक्ती गावेत वा महाविद्यालयात विशिष्ट उंटी केंद्र अध्ययन करते त्या अध्यायातात अनोन्याराक अध्ययन असे दर्शातात.	
• अनोन्याराक अध्ययन : अध्ययन करीत असलाना विशिष्ट उंटी नवते याच अध्ययन होत असते आता अध्ययनात अनोन्याराक अध्ययन असे दर्शातात.	
• सहज अध्ययन : काही वेळेता सहजवित्तात त्याच्या नकळत त्यावै अध्ययन होते आता अध्यायातात सहज अध्ययन असे दर्शातात.	

पटक क्र. १. : अध्ययन उपराती व अनुदेशन प्रणाली	ब्रेयाक : ०५
* १.१ अध्ययन संकल्पना:	
• व) अध्ययन प्रक्रिया :	
• अध्ययन प्रक्रियेची वैशिष्ट्ये:	
1. अध्ययन ही प्रक्रिया आहे.	
2. अध्ययन ही सहज चालानाती प्रक्रिया आहे.	
3. अध्ययन ही हेतुरूप व उद्दिश्यावै प्रक्रिया आहे.	
4. अध्ययन हा बाबत अंती कायम स्वरूपी असते.	
5. अध्ययन ही मार्गीक चालानाती प्रक्रिया आहे.	
6. अध्यायामात्रूने विशिष्ट मार्गातिक प्रक्रियाचा समावेश होतो.	
7. अध्ययन हे मार्गी प्रक्रियाचा वर्तनाती निश्चित आहे.	
8. अध्ययन ही जीवातातील मूर्तभूत प्रक्रिया आहे.	

PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Eklahare Nashik

2



Scanned with OKEN Scanner



पटक क्र. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली श्रेयांक : ०५

- १.१ अध्ययन संकल्पना:
- अध्ययन प्रक्रियेचे स्वरूप :
- १. गोलिंग (Goal Oriented):
 - वार्तांची वर्ती के नाहीत विनियोग होते. अवश्य ही वार्ता प्रक्रिया असल्यानुसारे ही गोलिंग वार्तांची आहे.
 - तज. घूम सांख्यक अन्वयासाठी.
- २. डोलग (Meditation):
 - शोलिंग किंवा शोलेशी भावरक्षणा आहे.
- ३. लोरोचायन इक्सप्रोरेशन (Exploration):
 - उद्योग शास्त्रातील नोंदवण्याचा अवलंब करावा शाळाते, शोल वार्तांचा स्वीकार करावा नाही शोलेशीकाऱ्याचा आहे.
- ४. अपार्सेन (Revison):
 - उद्योग शास्त्रातील नोंदवण्याचा शाळातील वार्ता आवश्यक करावा शाळाते.

पटक क्र. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली श्रेयांक : ०५

- १.१ अध्ययन संकल्पना:
- अध्ययन प्रक्रियेचे स्वरूप :
- ५. मार्गदर्शन (Insight):
 - उद्योग शास्त्रातील नोंदवण्याचा अवलंब करावारे मर्यादित रूपात आहे.
 - वार्तांची अल-डोलग आवश्यक करावे.
- ६. वार्तांची पुर्वायाना (Modification of Behaviour):
 - हास्तचावल जलाव करावे, साकार्दारपणे करावे कमी श्रमात करावा रेणे.

पटक क्र. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली श्रेयांक : ०५

- १.१ अध्ययन संकल्पना:
- अध्ययन प्रक्रिया : अध्ययन वर्क (Learning Curve)

अध्ययनचा वेग अवश्य अध्ययनाची प्रतीक्षा करी होते?

वार्तांची आलेल काढवा आहे, त्यात अध्ययन वर्क आवडे म्हणावा.

पटक क्र. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली श्रेयांक : ०५

- १.१ अध्ययन संकल्पना:
- अध्ययन वकारे टप्पे :
- अध्ययन प्रक्रियेचा वेगामध्ये होणारा कमीजातपण्या होय.
- १. बंद प्रातीक्षा काळ :

मुळवार्तातील अध्ययनचा वेग हा कमी असतो.
- २. जलद प्रातीक्षा काळ :

नवीन पारिस्थितीचे आवक्षन झाले की प्रातीक्षये सांकेतिक याद होते.
- ३. वर्दानावरण :

जलद प्रातीक्षीत पुढे प्रगती न दिसता ही प्रगती धोक्यासाठी दिसते.

पटक क्र. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली श्रेयांक : ०५

- १.१ अध्ययन संकल्पना:
- अध्ययन प्रक्रिया :
- ४. जलद प्रातीक्षा काळ :
 - पदारावदेनेत तुका अध्ययनाच्या वेगात घूर प्रातीक्षा शालेती दिसू येते.
- ५. शारीरिक व मानसिक परीक्षेचा (पर्वती) :
- प्रदेश व्याकीची अध्ययन करावाची शारीरिक व मानसिक मध्यात वेगवेगाची असते.
- ही ट्रिवितो अवश्य कठीण काळ आहे.

पटक क्र. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली श्रेयांक : ०५

- १.१ अध्ययन संकल्पना:
- अध्ययन प्रक्रिया :
- ५. जलद प्रातीक्षा टप्पे :

(Contd.)

अध्ययन वकारे टोक्यांची महाल :

 १. मुळवार्तातील अध्ययनचा वेग जास्त असू नये.
 २. विद्यार्थ्यांची प्रतीती होणारातील प्रोत्साहन घावे.
 ३. अध्ययनात शोधवेळी विचारी देणे.
 ४. अध्ययनात अभृतकडे रक्षा देणे.
 ५. प्रदेश विद्यार्थ्यांत त्याचा कुरुक्षेत्रीची जाणीव करावा देणे.

PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Eklahare Tal. & Dist. Nasik



2/15/2023

पटक क्र. १ : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली

श्रेयांक : ०९

- * १.१ अध्ययन संकल्पना:
- क) निरीक्षण व अनुकरणाद्वारे अध्ययन :

 - * प्रत्येक घन्ती वा विद्यार्थी ही निरीक्षण किया अनुकरणाद्वारे अध्ययन करीत असतो.
 - * ऊरा, एकादी व्याप्ति दुसऱ्या व्यक्तिकाद्वारे होणाऱ्या वर्तीनाचे निरीक्षण करते.
 - * तसेच अनुकरण देखील करते. (सहाय आलाचे यांत्रं)
 - * निरीक्षण ही एक व्यापक संकल्पना आहे.

पटक क्र. १ : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली

श्रेयांक : ०९

- * १.१ अध्ययन संकल्पना:
- क) अध्ययनावार परीणाम करणारे पटक :
- * २) अनुवंश :

 - * आरा वारी, आरोग्य व मासिक शूर्षीकृत आवृत्तीत निवासीही देणी घावांचे अनुरोध ठेव.
 - * आवृत्तीतील नुकसान, गोरा लकडा व बुद्धिमत्ता ही अनुरोध निवासीही घावांचे अनुरोध.
 - * या अनुवंशातील अध्ययनावार परीणाम ठेवते.
 - १. शूर्षीकृत रुपाना; शूर्षीकृत व मासिक शूर्षीकृत अध्ययन प्रक्रियेत वाहातो ठेव.
 - २. अंतःसामाजिकी; यांची भावेतांत असेही आरा, गोरा वेळेवरूपे घाव निवासीही घावात.
 - * हे घाव लकडा निवासात, या घावांमुळे घावावै वारं आसि किंवा अंतिकाळ घावातील घावात.

पटक क्र. १ : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली

श्रेयांक : ०९

- * १.१ अध्ययन संकल्पना:
- * २) अध्ययनावार परीणाम करणारे पटक : (Contd.)
- * ब) परीक्षावारी:

 - * १. कुटुंब: कुटुंबाचा सामाजिक व अधिक दर्जाचा बालकाच्या अध्ययनावार परीक्षावारी होत असतो.
 - * २. लिंग: सीढी व पुलाची यांच्यातील शारीरिक भेदाचा अध्ययनावार परीक्षावारी होतो.
 - * ३. वर्षात: विद्यार्थी याची ठिकाणी राहतो, त्याचे निवासावावत व तेवील परीक्षावार अध्ययनावार परीक्षावारी होतो.
 - * ४. शास्त्र: विद्यार्थी याचा शास्त्रेत अध्ययन करतो त्या शास्त्रेचा देखील अध्ययनावार परीक्षावारी होतो.
 - * ५. विज्ञ. संरक्षणाङ्क: विद्यार्थी याचा विज्ञानाचे आपला वेळ घासावतो त्या निवासावाचा देखील अध्ययनावार परीक्षावारी होतो.

पटक क्र. १ : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली

श्रेयांक : ०९

- * १.१ अध्ययन संकल्पना:
- * २) अध्ययनावार परीणाम करणारे पटक : (Contd.)
- * ब) परीक्षावारी:
- * ३. मासिक प्रक्रिया:

 - * i. याकृता: अध्ययनासाठी अध्ययनवर्कार्टच्या परवानेतील आलिंग गाव आहे. ऊरा, पठाव्यासाठी यांचेने संरक्षण प्रवध झालेले पालिंग.
 - * ii. अवधान व अभिज्ञाती: अध्ययनासाठी तो पटक यांनांनु पेण्याची हृच्छा व त्या बाबतावर जागीची मैटिंग करतो.
 - * iii. घटकाचा व कंटाकाचा: एकच आम मासात्पाने केल्यास घटकाचा देतो तसेच एकादी गोई शिकण्याचा कंटाकाचा देतो.
 - * iv. मरोज्याचा: मरोज्यावर असेत तर अध्ययन परीक्षामकारक होत नाही.
 - * v. याद्या व आंतरिक प्रेरणा: अध्ययनासाठी प्रेरणेची आवश्यकता असते.

पटक क्र. १ : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली

श्रेयांक : ०९

- * १.१ अध्ययन संकल्पना:
- * २) अध्ययनावार परीणाम करणारे पटक : (Contd.)
- * प्रेणा निर्माण करण्याचे यार्ग :

 - i. विद्यार्थी कैरियर अभ्यासन
 - ii. नाविकवाता
 - iii. भावनिक सुविधिता
 - iv. स्पर्धावाकाश
 - v. अध्ययनावावत तुम्पट कस्पना
 - vi. प्रगतीचे ज्ञान
 - vii. प्रशासन व निरा
 - viii. पारिवारिके व रिश्या

■ सरावासाठी प्रश्न :

- > अध्ययन संकल्पना स्पष्ट करा.
- > अध्ययन घावावे काय? अध्ययनावार परीक्षाम करणारे पटक सोडाहण स्पष्ट करा.
- > अध्ययन संकल्पनेचा अर्थ सांगून औपचारिक, अनोयचारीक, व सहज अध्ययन संकल्पना स्पष्ट करा.
- > शोडाव्यापत टीप लिहा
- * अध्ययन संकल्पना
- * अध्ययन वक्र
- * अध्ययन वकावे टप्पे

PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Eklahare Tal., S. Dist. Nashik



10/10/2023

1. नामः

१. विद्यार्थी का नाम लिखें।
विद्यार्थी का नाम
विद्यार्थी का नाम
विद्यार्थी का नाम
विद्यार्थी का नाम
विद्यार्थी का नाम

विद्यार्थी

अमृता

PRINCIPAL

Maitri
Exshams, 10, Sector - 10, Noida



Scanned with OKEN Scanner



2/15/2023

Matoshri Education Society's
Matoshri College of Education,
Eklahe, Nashik

Course : 205 Additional Pedagogy Course : Understanding
Disciplines and Pedagogy of school Subject : English Education

Prepared by :

Prof. Shashikant T. Nikam
M. A. (Eng.), M. Ed, SET (Education), D.C.M.

Unit 1 : School Content

(1 Credit)

A: Phonetics:

- 1. Phonemes, syllabus and words.
- 2. Vowels, Diphthongs and consonants.

- 3. Sentence

- 4. Intonation, Stress, accent, intonation pattern

B: Grammar:

- 1. Parts of Speech.

- 2. Punctuation

- 3. Kinds of Sentences.

- 4. Tense

- 5. Transformation of Sentences

- a) Direct and Indirect Speech.

- b) Voice

- c) As soon as

- d) Degree

- e) Remove "too"

- f) Not only...But also;

- g) Question tag

Unit 1 : School Content

- A,B,C,D,E.....,X,Y,Z.
- These are alphabets.
- What is the use of these alphabets?
- We used these alphabets to write meaningful words or words which have meaning.
- Ex. Bat, bed, cat.....

Unit 1 : School Content

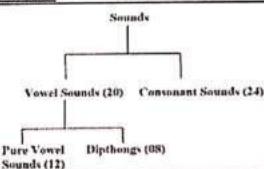
- What about the speech?
 - Speech had the sounds to produce.
 - Sounds we can't write but we can identify them.
 - To identify different sounds symbols are used.
 - In English language these sounds or symbols are called phonetics.
- Ex. /bɒθ/, /bcd/, /k ɒθ/.....

Unit 1 : School Content

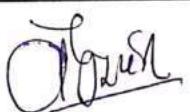
> A: Phonetics:

- Phonetics is a branch of linguistics that studies how humans make and perceive sounds, or in the case of sign languages, the equivalent aspects of sign.
- The way in which sounds combine with each other to form words in a language is called Phonetics.
- Domain of phonetics: speech sounds, their articulation, transmission and reception.

Phonetics:



(Contd.)


PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Eklahe, Nashik

**Phonetics:**

(Contd.)

Vowel Sounds (20)

I	I	U	U	E	E	oo
ɪ	ɪ	ʊ	ʊ	ɛ	ɛ	ɔː
A	ə	ɜː	ɔː	ʊə	ɔɪ	əʊ
æ	ʌ	ɑː	ɒ	eə	ɑɪ	əʊ

AMERICA WORD DUST PULL DAY OO
CAT BUT PART NOT PEAR HIT NOW

Phonetics:

(Contd.)

Pure Vowel Sounds (12)

PHONE	NAME	EXAMPLE	GENRE	WORD
ɛɪ	ee	seat bee cheap sheep bee	TEA	ee/ɪə
ɔɪ	oh	oh the old cat sat on	BET	o
ʊə	oo	oo neck bee old moon	BELL	oo
əʊ	oo	oo from back pane owl	CATE	oo
ɛə	er	er red kick march erch	ERIE	er
ʊə	er	er end earl march erch	CAVE	er
ɔə	əʊ	əʊ back poofs for cool	DOOR	əʊ
ɛə	əʊ	əʊt bright pink Party card boar	FROG	əʊ/əʊ
ɔə	əʊ	əʊt mouse jack book fire	GOOT	əʊ/əʊ
ʊə	əʊ	əʊt like a room brush mould	BOOT	əʊ/əʊ
ɔə	əʊ	əʊt like a pencil sketch beam	GONE	əʊ/əʊ
ɛə	əʊ	* black * photograph * a house * the sun	SCHEA	əʊ/əʊ

Phonetics:

(Contd.)

Consonant Sounds (24)

Type	v	f	θ	t	d	z	ʒ	ʃ	χ	h
Vocalic v	v	f	θ	t	d	z	ʒ	ʃ	χ	h
Voiced v	v	f	θ	t	d	z	ʒ	ʃ	χ	h
Unvoiced v	v	f	θ	t	d	z	ʒ	ʃ	χ	h
Voiced v	v	f	θ	t	d	z	ʒ	ʃ	χ	h
Unvoiced v	v	f	θ	t	d	z	ʒ	ʃ	χ	h
Voiced v	v	f	θ	t	d	z	ʒ	ʃ	χ	h
Unvoiced v	v	f	θ	t	d	z	ʒ	ʃ	χ	h

Need and Importance of Learning Resources:

- 1) It creates a proper images in student's mind.
- 2) It creates a proper attention of pupils.
- 3) It provides better learning experiences and clarifications.
- 4) It reduces communication restrictions.
- 5) It is user friendly.

Need and Importance of Learning Resources:
(Contd...)

- 6) It creates the interest among the learner.
- 7) It is useful for all age group.
- 8) It helps the students to understand the difficult and complicated concept.
- 9) It creates the scientific attitude among the students.
- 10) It follows the maxims from known to unknown and from concrete to abstract.

Classification of Learning Resources:

A) Traditional Learning Resources

B) Technological Learning Resources

PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Eklahare Tal. & Dist. Nashik



Classification of Learning Resources:

A) Traditional Learning Resources

- Text-Book
- Reference Book / Magazines / News Paper
- Teaching Aids (Audio-Visual Aids)
- Encyclopaedia
- Dictionary
- Replica

Classification of Learning Resources:

B) Technological Based Learning Resources

- LCD Projector
- OHP
- Language Lab
- Lingua Phone
- Mobile Apps
- Web Apps
- Websites
- Search engine
- Digital Board
- Wikipedia

A) Traditional Learning Resources:

1. Text-Book :

- Text-book is the traditional learning resource.
- It provides the learner more and detail information about the topic.
- It also provides pictures and references about the particular topic.
- Text book is the reliable source of information.

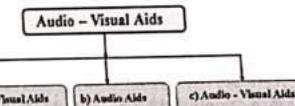
2. Reference Book / Magazines / News Paper:

- Reference book, magazines and newspapers are also the learning resources.
- They also provides us the information.
- They are the sources of information.
- Learner can collect the more information about any topic through these learning resources.

A) Traditional Learning Resources:

3. Teaching Aids(Audio-Visual Aids) :

- Audio-Visual Aids plays vital role for learning any content.
- It provides an opportunities for better understanding.
- It helps the teacher to secure and retain attention of pupils.
- It is effective substitutes for direct contacts of pupils with the past or far off environment.
- It can be classified into three parts



3. Teaching Aids(Audio-Visual Aids) :

a) Visual Aids:

- i. Blackboard
- ii. Flannel -Board
- iii. Flash Cards
- iv. Substitution Scroll
- v. Picture
- vi. Filmstrip

i) Black Board:



- It is the symbol of classroom.
- It is used for writing purpose.
- Teacher can write important points on it.
- Students can observe it carefully.

PRINCIPAL
Matoshri Coll.
Eklahare, U...

ation
Ekla...
nuk

**ii) Flannel Board:**

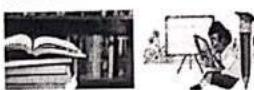
- It is made with Flannel cloth.
- The sand paper are stuck on the back side of cut outs of papers.
- The flannel boards are used to teach picture compositions, stories and diagrams.

iii) Flash Cards:

- Cards which are flashed for the few times are known as flash cards.
- displayed on the wall for a few times.
- They flash like bulb used in camera
- It is very useful for reading and speaking practice and for development of vocabulary.

iv) Substitutional Scroll:

- A Substitution Scroll requires a card sheet and some strips.
- On the card a sentence pattern is written with blanks at crucial points. On the strips the words to be substituted are written.
- The strips are inserted through the cuts on the card sheet.
- One word appears through the window and the sentence is constructed

v) Picture:

- It becomes easier to concentrate the attention of the students.
- A picture is worth ten thousand words.
- A good and suitable picture makes the lesson lively and effective.

vi) Filmstrip:

- The filmstrip provides serialized and pictorial materials.
- It is a large store of knowledge.
- It is useful for teaching stories.
- It is also useful to teach vocabulary and structures.
- A slide projector or film strip projector is used.

3. Teaching Aids(Audio-Visual Aids) :**b) Audio Aids:**

- i. Radio
- ii. Tape Recorder
- iii. Record Player

PRINCIPAL

Matoshri College of Education
Eklahare Tal. & Dist. ... unik

DISBURSE



1000



1000
1000
1000
1000
1000

1000



1000
1000
1000
1000
1000

1000



1000
1000
1000
1000
1000

1000

1000

1000

1000

1000



1000
1000
1000
1000
1000
1000
1000

1000



1000

1000

1000

1000

1000

Chad

PRINCIPAL

Maestro Ch
Brahma T

5



Scanned with OKEN Scanner



A) Traditional Learning Resources:

4) Encyclopaedia:

- It is a book or set of books giving information on many subjects or on many aspects of one subject and typically arranged alphabetically.
- Encyclopaedia entries are longer and more detailed than those in most dictionaries.
- Encyclopaedia articles focus on factual information concerning the subject named in the article's title.



A) Traditional Learning Resources:

5) Dictionary:

- Dictionary is an important instrument to comprehend the meaning of the words.
- Dictionary means a book of words listed alphabetically defined.
- It is easy to find out a particular word and its meaning.
- A dictionary is a listing of words in one or more specific languages, often arranged alphabetically which may include information on definitions, usage, pronunciations, translation.
- A book of words in one language with their equivalents in another.



A) Traditional Learning Resources:

6) Replica:



- A replica is an exact copy, such as of a painting, as it was executed by the original artist or a copy or reproduction.
- A replica is a copying closely resembling the original concerning its shape and appearance.
- An inverted replica complements the original by filling its gaps.
- It can be a copy used for historical purposes, such as being placed in a museum.
- Sometimes the original never existed.

B) Technological Based Learning Resources:



1. LCD Projector (liquid-crystal display):

- An LCD projector is a type of video projector for displaying video, images or computer data on a screen or other flat surface.
- It is a modern equivalent of the slide projector or overhead projector.
- To display images, LCD (liquid-crystal display) projectors typically send light from a metal-halide lamp.
- It is very useful in day to day teaching-learning process.
- It creates direct bond between content and teaching aids.
- Students can easily understand the concept.

B) Technological Based Learning Resources:

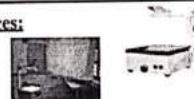
(Contd...)

> Importance of LCD Projector:



1. More efficient note-taking.
2. Interactive presentations keep children engaged.
3. Build games into your lessons.
4. Teach with a range of mediums.
5. Make better use of time in the classroom.

B) Technological Based Learning Resources:



2. OHP (Over Head Projector):

- An overhead projector (OHP), like a film or slide projector, uses light to project an enlarged image on a screen.
- In the overhead projector, the source of the image is a page-sized sheet of transparent plastic film (also known as 'foils') with the image to be projected either printed or hand-written/drawn.
- These are placed on the glass surface of the projector, which has a light source below it and a projecting mirror and lens assembly above it.
- They were widely used in education and business before the advent of computer-based projection.

PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Eklahe Tal. & Dist.lk



2/15/2023

B) Technological Based Learning Resources:

3. Language Lab:

- A language laboratory is a dedicated space for foreign language learning where students access audio or audio-visual materials.
- They allow a teacher to listen to and manage student audio, which is delivered to individual students through headsets or in isolated 'sound booths.'



B) Technological Based Learning Resources:

4. Lingua Phone:

- Lingua phone is a global language training provider based in London and has provided self-study language courses since 1901.
- Lingua phone's self-study courses follow Lingua phone's in-house methodology of "Listen, Understand, Speak".
- Students are encouraged to listen to the language from the beginning, to begin to read as they listen, and only to speak once they have learned to understand the language presented.



B) Technological Based Learning Resources:

5. Mobile Apps:

- A mobile application, also referred to as a mobile app or simply an app, is a computer program or software application designed to run on a mobile device such as a phone, tablet, or watch.
- Lots of mobile apps are available for learning a concept.
- Students can refer these apps and learn the concept properly at their own time.
- It gives ample scope for learner to use for Online Education.
- With the help of mobile app learner can understand the concept very well.
- Mobile apps are user friendly. Step by Step learner can follow the instructions given in app and learn the concept.



B) Technological Based Learning Resources:

6. Web Apps:

- Web application (web app) is an application software that runs on a web server, unlike computer-based software programs that are stored locally on the Operating System(OS) of the device.
- Web applications are accessed by the user through a web browser with an active internet connection.
- These applications are programmed using a client-server model structure.
- The user (client) is provided services through an off-site server that is hosted by a third-party.
- These web apps are very useful for Online Education.
- Now a days the need of these apps are increases rapidly.
- It has the variety in programme.
- It provides an opportunities for learner to learn the concept properly.
- Various online educational web apps are available.



B) Technological Based Learning Resources:

7. Websites:

- A website is a collection of web pages and related content that is identified by a common domain name and published at least one web server.
- Ex. www.edusat.co.in , www.education.com
- All publicly accessible websites collectively constitute the World Wide Web.
- Websites are typically dedicated to a particular topic or purpose, such as news, education, commerce, entertainment, or social networking.
- Users can access websites on a range of devices, including desktops, laptops, tablets and smartphones.
- The software application used on these devices is called a web browser.
- Learner can get more information of the topic or content or concept with the help of websites.

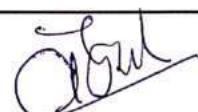


B) Technological Based Learning Resources:

8. Search Engine:

- It is a software system that is designed to carry out web search (Internet search), in a systematic way for particular information specified in a textual web search query.
- The search results are generally presented in a line of results.
- The information may be a mix of links to web pages, images, videos, articles, research papers, and other types of files.
- Learner can easily collect the information by using search engine.
- Ex. Google, Yahoo, rediff, khoj, guruji




PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Eklahe, Valsad - 395 001
Gujarat, India
E-mail: matoshri.college@rediffmail.com
Phone: +91 98251 22222

7



Scanned with OKEN Scanner



2/15/2023

B) Technological Based Learning Resources:

9. Digital Board / Smart Board:

- It is also known as electronic whiteboards.
- A digital whiteboard is a two-dimensional display space utilizing digital design.
- It involves a stylus or other tool for users to create digital writing, drawings or designs.
- Digital board or Smart boards is a large interactive display in the form factor of a whiteboard.
- It can either be a standalone touchscreen computer used independently to perform tasks and operations.
- A connectable apparatus can be used as a touchpad to control computers from a projector.
- It is used in a variety of settings including classrooms at all levels of education.



B) Technological Based Learning Resources:

10. Wikipedia:

- Wikipedia is a multilingual online encyclopaedia created and maintained as an open collaboration project by a community of volunteer editors using a wiki-based editing system.
- It is the largest and most popular general reference work on the World Wide Web.
- It features exclusively free content and no commercial ads and is owned and supported by the Wikimedia Foundation, a non-profit organization funded primarily through donations.



➤ Assignments:

- Discuss various learning resources.
- Explain the traditional learning resources.
- Explain the technological learning resources.
- Write short note on:
 - a. LCD Projector
 - b. Mobile Apps
 - c. Importance of Audio-Visual Aids
 - d. Language Lab

➤ References:

- Dr. Ghormade K. U. (Jan-2008). Methodology of Teaching of English. Nagpur: Vidya Prakashan. Page No. 89-100.
- Dr. Moharil Medha (2012). Methods of English Teaching. Nagpur: Vidya Prakashan. Page No. 68-76.
- www.wikipedia.com

Thank You!

PRINCIPAL
Matsoshri College of Education
Eklahare Tal. & Dist. Nasik



**MATOSHRI EDUCATION SOCIETY'S
MATOSHRI COLLEGE OF EDUCATION**

EKLAHARE, NASHIK

Course : 205 Additional Pedagogy Course : Understanding Disciplines
and Pedagogy of school Subject : English Education.

Prepared by :

Prof. S. T. Nikam
M. A. (English), M. Ed, SET (Education), D.C.M.

Welcomes

Grammar Translation Method:

Grammar Translation Method is also known as
Classical Method of Teaching English

This method was introduced in India by Britishers.
The basic concept of this method is to translate each
and every word into pupil's mother tongue.

The philosophy behind this method is that foreign
language can be best taught or learn through the
translation.

E.g. Greek, German, Latin, French etc. language
have been taught through translation. In this Method the
meaning of English words, phrases are translates into
pupils mother tongue.

The word is the unit in this method.

Importance of Grammar Translation Method:

1. There is a comparative study of English language and mother tongue with their grammar, structure and vocabulary.
2. The learner can learn by an important maxim i.e. Proceed from known to unknown.
3. The knowledge of mother tongue helps the learner to learn English properly.
4. Grammar is taught by deductive method by explaining grammatical rules first.
5. The structure of English can be easily learnt.
6. Any foreign language can be easily learn through translation.

Merits / Advantages of Grammar Translation Method:

1. This method is very successful in the overcrowded classroom.
2. By telling the meaning of any word or sentence in mother tongue, students can easily understand.
3. This method is time consuming method.
4. This method is very reliable method for giving practice of reading with understanding to students.
5. This method helps to strength the memory of learner.

Merits / Advantages of Grammar Translation Method:

6. This method helps the teacher to test the comprehension of the students. (Contd.)
7. This method does not required more teaching aids.
8. This method is very economical method.
9. Foreign terms can quickly explained in mother tongue.
10. It develops the reading ability of the students.

Demerits / Disadvantages of Grammar Translation Method:

1. This method is unnatural method for learning a language
2. This method give emphasis on reading skill.
3. This method does not provide opportunity for silent reading.
4. It makes the students to think in mother tongue and translate the same in a language.
5. This method does not helps the students to learn the correct pronunciation of English.

PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Eklahare Tal. & Dist. Nashik



Demerits / Disadvantages of Grammar Translation Method: (Contd. ...)

- 6. This method ignores the habit of formation.
- 7. This method neglects communicative ability.
- 8. This method is dull and mechanical one.
- 9. This method gives more emphasis on learning a rules of grammar.
- 10. This method does not create a direct bond between thought and expression.

Assignments:

What is Grammar-Translation-Method of teaching of English? Explain the importance, advantages and disadvantages of Grammar Translation Method.

References:

- Dr. Ghormode K. U. (Jan-2008). *Methodology of Teaching of English.* Nagpur: Vidya Prakashan. Page No. 55-56
- Dr. Moharil Medha (Feb-2007) *Methods of English Teaching.* Nagpur: Vidya Prakashan. Page No. 33-35

Thank You !

PRINCIPAL

Matoshri College of Education
Eklaahare Tal. & Dist. Nashik



2/15/2023

Matoshri Education Society's
Matoshri College of Education,
Eklahare, Nashik

Prepared by :

Prof. Shashikant T. Nikam
M. A. (Eng.), M. Ed, SET (Education), D.C.M.

English Education

B. Ed 2nd Year Course

Course : 205 Additional Pedagogy Course
: Understanding Disciplines and
Pedagogy of school Subject : English
Education.

**Unit 4 : Pedagogical Approaches, Methods
and Learning Resources.**

• **Direct Method :**

➤ Let's Discuss

Direct Method :

• Direct Method is originated in France
in 1901. This method is outcome of
traditional method. This method is
also known as natural method. This
method gives emphasis on direct bond
between thought and expression.

Direct Method : Meaning

- Direct Method is a method of teaching English directly.
- It establish the direct association between English words, phrases or idioms and their meaning.
- With this method students can learn any foreign language naturally through conversation, discussion and reading without using mother tongue of the students.

Direct Method : Nature

- This was reaction against the Translation or Traditional Method.
- The learner can get real command on English Language by this method.
- The learner is not expected to depend upon a mother tongue.
- There is direct contact between meaning of word and thought expression

A handwritten signature in black ink, appearing to read "Shashikant T. Nikam".

PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Eklahare Tal. & Dist. Nashik



Objectives / Aims of Direct Method:

1. To provide students the experience of listening English.
2. To enable them to speak English in natural situation.
3. To enable them to understand English by listening.
4. To help them to understand new word in context.

Objectives / Aims of Direct Method: (Cont.)

5. To create environment of English in classroom
6. To help students to learn English Grammar as it is use in speaking
7. To make the students to thing in English

Merits / Advantages of Direct Method:

- 1) It is a natural method. The method teaches the language in the same way in which the child learn mother tongue.
- 2) This method helps to developed listening and speaking skill.
- 3) This method develops fluency in speech.
- 4) It improves child's pronunciation.
- 5) This method is suitable for teaching idioms.
- 6) This method provides an opportunities to use maximum Audio-Visual Aids which makes the teaching more interesting and effective.

Merits / Advantages of Direct Method: (Cont.)

- 7) This method follows the maxims – Proceed from concrete to abstract.
- 8) Teaching of English becomes more easy and pleasant task.
- 9) It helps the learner in the critical study of English literature.
- 10) This method is quite interesting as it is full of activities.
- 11) The word in passive vocabulary are brought into active vocabulary.
- 12) Learner gets ample practice to listen, speak and to read English which are essential aspect of language learning.

Demerits / Disadvantages of Direct Method:

1. This method gives more emphasis on speaking skill. It does not give attention towards reading and writing. Only oral aspect is not enough for learning a language.
2. This method is not useful in overcrowded classroom.
3. This method ignores translation completely.
4. This method requires hard workers and skill teacher to teach English.

Demerits / Disadvantages of Direct Method: (Cont.)

5. Grammar part is not taught systematically because there is an inductive approach for teaching grammar.
6. This method requires more Audio-Visual Aids. So this method is expensive.
7. This method is time consuming method.

PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Eklaahare Tal. & Dist. Nashik



Assignments:

- Q.1 Explain Direct Method with reference to the following points
 - i) Concept
 - ii) Features
 - iii) Merits
 - iv) Limitations
 - v) Educational Implications

References:

- Dr. Ghormade K. U. (Jan-2008). Methodology of Teaching of English. Nagpur: Vidya Prakashan. Page No. 57-58
- Dr. Moharil Medha (Feb-2007) Methods of English Teaching. Nagpur: Vidya Prakashan Page No. 36-39

Thank You!

A handwritten signature in black ink, appearing to read "J. Jaiswal".

PRINCIPAL

Matoshri College of Education
Eklaahare Tal. & Dist. Nashik



2/15/2023

मातोश्री एन्युकेशन सोसायटी संचालित, मातोश्री शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय एकलहोरे, नाशिक कोर्स: १०३ अध्ययन व अध्यापन (प्रथम वर्ष) सारकर्ते: ग्रा. शशिकांत श्य. निकाम (M.A. (Eng), M.Ed. SET (Education), D.C.M.)
--

<p>पटक क्र. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली</p> <p>* १.२ पारंपरिक अध्ययन उपयोगी (Learning Theories) :</p> <ul style="list-style-type: none"> * १) कोहल्स: • सम्पूर्णीय उपयोगी (Wholistic Theory of Learning) / मर्गदृष्टी मूलक अध्ययन (Learning by Insight) • किंवा मर्गदृष्टी मूलक अध्ययन (Learning by Insight) • जनक : बोहल्स • विद्यार्थी १५व्या शताब्दी माझी. • अध्ययन तत्त्व : एकाच सामग्रीचे मर्यादित विद्यार्थी आवश्यक प्रकारा पडतो. • व्याख्या सम्बन्धी लावकर मुद्रू अध्ययन पडतो. 	बोहल्स : ०१
---	--------------------

<p>पटक क्र. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली</p> <p>* १.२ पारंपरिक अध्ययन उपयोगी (Learning Theories) :</p> <ul style="list-style-type: none"> * १) कोहल्स: • सम्पूर्णीय उपयोगी (Wholistic Theory of Learning) / मर्गदृष्टी मूलक अध्ययन (Learning by Insight) • किंवा मर्गदृष्टी मूलक अध्ययन (Learning by Insight) • जनक : बोहल्स • कोहल्साही वर्तनावे विशेषण करून एकेका पटकाता अभ्यास करत नाहे, • एकूण परीक्षेतीलच्या संदर्भात वर्तनावे मूल्यावाद देणे याहीवे, • अध्ययन होण्याची परीक्षेतीलची मर्यादित लक्षात देणे आवश्यक आहे, • या प्रकाराने होणाऱ्या अध्ययनाता मर्गदृष्टी अध्ययन असे कृतान्त. 	बोहल्स : ०१
---	--------------------

<p>पटक क्र. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली</p> <p>* १.२ पारंपरिक अध्ययन उपयोगी (Learning Theories) :</p> <ul style="list-style-type: none"> * १) कोहल्स: • अप्परीश्या याचा : एकाच सामग्रीचे किंवा परीक्षेतीलचे मंजूरी व संकरित निरीक्षण बेळवार तसेच तिथे मर्यादित प्रवर्तनावार समस्या सोडिक्षिण्याची नेव्ही युक्ती याचाके, अणि हेच मर्गदृष्टी अध्ययन होय. • प्रयोग : विशेषी साकळ एका विकासात विशेषी प्रवर्तनाच्या सुलगात नायाच्या शाकादार कोढाले, काही अंतराव याही कोढाला घेवल्या. विशेषत काही संपूर्ण कोढाला घेवल्या. एका काढीचा वारर करून केवळी हस्तात करता येणार नाही अतीव व्यवस्था केसी. मात्र दोन काढ्या वारर करून केवळी हस्तात करता येत होती. 	बोहल्स : ०१
--	--------------------

<p>पटक क्र. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली</p> <p>* १.२ पारंपरिक अध्ययन उपयोगी (Learning Theories) :</p> <ul style="list-style-type: none"> * १) कोहल्स: • मर्गदृष्टी मूलक याचीवा अवलंबू आहे, • मुद्रितात, प्रवाहाव विविध इंद्रियाची क्षमता • उगतात्परीक्षिती • सामर्थ्याची निराकृती घूर्णिंघम • अध्ययन प्रसारावे व्यवस्थापन • सामग्रीवरूप करण्याची क्षमता. • नवीन परीक्षेतील वारर करण्याची क्षमता • सामग्र्य तात्रे य संवरपाची काळीव 	बोहल्स : ०१
--	--------------------

<p>पटक क्र. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली</p> <p>* १.२ पारंपरिक अध्ययन उपयोगी (Learning Theories) :</p> <ul style="list-style-type: none"> * १) कोहल्स: • मर्गदृष्टी मूलक याचीवा अवलंबू आहे, • मुद्रितात, प्रवाहाव विविध इंद्रियाची क्षमता • उगतात्परीक्षिती • सामर्थ्याची निराकृती घूर्णिंघम • अध्ययन प्रसारावे व्यवस्थापन • सामग्रीवरूप करण्याची क्षमता. • नवीन परीक्षेतील वारर करण्याची क्षमता • सामग्र्य तात्रे य संवरपाची काळीव 	बोहल्स : ०१
--	--------------------

PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Eklahare Tal. & Dist. Nashik

1



Scanned with OKEN Scanner



2/15/2023

<p>पटक क्र. १. : अध्ययन उपयाती व अनुदेशन प्रणाली</p> <p>* १.२ पारंपरीक अध्ययन उपयाती (Learning Theories) :</p> <ul style="list-style-type: none"> * व्योहार: * सम्मुच्ची अध्ययनाते दृष्टे: <ol style="list-style-type: none"> १. समस्याची साक्षात्कारे जागीव होते, २. समस्येच्या संबंधी असांगो विविध पदक तस्तात रेते, ३. विविध पदकाचा पासवर संबंध तस्तात रेते, ४. सर्व पदकाचे वैगेनिकाचा इतरो वैगेनिक करणे, ५. मध्य आकाशात हाळन समस्या सुटाते, ६. समस्या सुलद्यावत ताणाऱ्यु झाले, ७. समावेदन सापडते जाते, 	<p>त्रियोक : ०५</p> <p>पटक क्र. १. : अध्ययन उपयाती व अनुदेशन प्रणाली</p> <p>* १.२ पारंपरीक अध्ययन उपयाती (Learning Theories) :</p> <ul style="list-style-type: none"> * व्योहार: * अध्ययन विषयक नियम : * १. सामान्याचा नियम (Law of Proximity): दोन किंवा अनेक उद्दीपकांच्यां असांग-ना सामान्यात उपस्थितीत तांचा एक अवया अनेक गट तस्तात होतात. सामान्यात उद्दीपकांचा दोप होण्याशेवी उद्दीपकांच्या गटाचा अवयोप होतो. उदा. <p>सर्वांनी रोप एकोकोंता सामान्यात आहेत, परंतु आरत्यात गटाचा दोप होतो. a a' b b' c c' d d'</p>
---	---

<p>पटक क्र. १. : अध्ययन उपयाती व अनुदेशन प्रणाली</p> <p>* १.२ पारंपरीक अध्ययन उपयाती (Learning Theories) :</p> <ul style="list-style-type: none"> * व्योहार: * अध्ययन विषयक नियम : * २. सामान्याचा नियम (Law of Similarity): उद्दीपकाचे सामान्य तस्तात येतेते यावू सामान्य असांग-ना गटाचे जवळोप होतात. उदा. <p>ऐन गट विस्तात, एक गट व काळ विस्तात एक गट जसा अवयोप होतो.</p>	<p>त्रियोक : ०५</p> <p>पटक क्र. १. : अध्ययन उपयाती व अनुदेशन प्रणाली</p> <p>* १.२ पारंपरीक अध्ययन उपयाती (Learning Theories) :</p> <ul style="list-style-type: none"> * व्योहार: * अध्ययन विषयक नियम : * ३. पूर्णांकाचा नियम (Law of closure): कोणताही संवेदनातील अनुरोपणा पूर्णांकाच्या आपारे भक्तन काढण्याची मरुप्रती आहेत. एकाचा वल्यूम दोप होताच तस्तात अनुरोपणकडे दुर्दिश होते. उदा. <p>विविध रोप आहेत, मात्र याचा अवयोप STOP असा होतो.</p>
---	--

<p>पटक क्र. १. : अध्ययन उपयाती व अनुदेशन प्रणाली</p> <p>* १.२ पारंपरीक अध्ययन उपयाती (Learning Theories) :</p> <ul style="list-style-type: none"> * २) पावरांपरीक: * अध्ययन विषयक नियम : * ४. सातत्याचा नियम (Law of Continuity): एक विशिष्ट पदकांची विवरणी काढण्याची किंवा पातळाची प्रदूषी असते. असांग इतेता बदल तस्तात न घेण्याकडे कठत असतो. उदा. <p>अनेक विद्युत जसा अवयोप न होता एक रोप जसा होतो. दोन विद्युत्यांपांत योजकी दुर्दिशत बेली आते.</p>	<p>त्रियोक : ०५</p> <p>पटक क्र. १. : अध्ययन उपयाती व अनुदेशन प्रणाली</p> <p>* १.२ पारंपरीक अध्ययन उपयाती / सम्मुच्ची मुलक उपयातीचे शैक्षणिक उपयोग :</p> <ol style="list-style-type: none"> i. विद्यावाची अध्ययन संबंध पदकांनी होते. ii. विद्यावाची प्रदूषण यात्राचा गटाचा सांगाचा. iii. सम्मुच्ची नियकविताचा यात्राचा उरवीण कठन सांगाचा. iv. विद्यावाचीत प्रदूषणाचे विवरणी काढण्याचा सूर्यो प्रवेश विवाहात घ्याचा. v. भौगोलिकीत स्थान, विद्यालय, हायामान, लोकांशीवर इ. पदक नियकविताचा त्याचा योजनाचा दुर्गत तस्तात घ्याचा. vi. शिक्षणातील पदक संवादात न नियकविता इतरव घडणाऱ्या पदकां, परिस्थितीत इ. या संबंधी जोडून संबंध पदकांनी नियकविता.
--	--

PRINCIPAL
 Matoshri College of Education
 Eklahe Tal. & Dist. Nashik

2



Scanned with OKEN Scanner



2/15/2023

■ सरावासाठी प्रश्न :

- कोहसराई मर्यादी मुलक अध्ययन उपर्याई संविस्तर विचार करा. मर्यादी मुलक अध्ययन उपर्याई शैक्षणिक महत्व सोदाहरण स्पष्ट करा.
- मर्यादी मुलक अध्ययन म्हणजे काय?
- मर्यादी मुलक अध्ययन उपर्याई अध्ययन विचारक नियम सोदाहरण स्पष्ट करा.
- धोड़खात टीचा लिहा
- समर्थीवादी अध्ययन उपर्याई सोदाहरण स्पष्ट करा.
- समर्थीवादी अध्ययन उपर्याई शालेय बीकाईत महत्व

■ संदर्भ :

- डॉ. जगताप ह. न. (जाने. २०१६), अध्ययन व अध्यायन, पुस्तक: मुवितांत्र प्रकाशन, पुह. क्र. ५३-५०.
- डॉ. घलाळ विळोर (२०१०), विकास जागी अध्ययनाचे मानसशाल, नागिनी: इनसार्ट्स प्रिंटिंग, पुह. क्र. १८०-१८२.
- डॉ. भागाळे शेतला, डॉ. महात्मन संगीता, व. सं. लोनवणे रेजता, मानसशालाचा अध्यायन, अध्ययन आणि विकासाचा दुहीकोरा (जाने. २०१६), जवळांग; प्रशांत प्रिंटिंग, पुह. क्र. ७३-७४.
- डॉ. भागाळे शेतला, डॉ. महात्मन, अध्ययन व अध्यायन (जाने. २०१६), जवळांग; प्रशांत प्रिंटिंग, पुह. क्र. १५०-१५३.

श्रद्धाद !

PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Eklaahare Tal. & Dist. Nashik



मातोश्री एन्युकेशन सोसायटी संघरणित,
मातोश्री शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय
एकलहे, नाशिक

कोर्स: १०३ अध्ययन व अध्यापन (प्रथम वर्ष)

सादरकर्ते:
प्रा. शशिकांत त्र्य. निकम
(M.A. (Eng.), M. Ed. SET (Education), D.C.M.)

पटक क्र. १. : अध्ययन उपपत्ती व अनुदेशन प्रणाली

ब्रेयांक: ०९

* १.२ पारंपरिक अध्ययन उपपत्ती (Learning Theories) :

- * ३) सिक्कन:
- * सापक अभिसंपादन उपपत्ती (Theory of Operant Conditions)
- * जवाब : वी. ए. एस. विक्टर (अमेरिकन मानसशास्त्रज्ञ)
- * सिद्धांत: १९३७: The Concept Of the Reflex in the Description of Behaviour.
- * अध्ययन तत्त्व : विशिष्ट प्रवाह / वर्तन (सापक) के स्वावाह प्रतिक्रिया अभिसंपादन (प्रवाहित) होते.
- * प्रतिक्रिया पारंपरिक नियन्त्रे, मानव मूल प्रतिक्रिया बदलकर होते.
- * मानवाच्चा वर्तनामुळे अध्ययन प्रक्रिया पर्याप्त होते.

पटक क्र. १. : अध्ययन उपपत्ती व अनुदेशन प्रणाली

ब्रेयांक: ०९

- * १.२ पारंपरिक अध्ययन उपपत्ती (Learning Theories) :
- * ३) सिक्कन:
 - * सापक अभिसंपादन उपपत्ती (Theory of Operant Conditions)
 - * जवाब :
 - * सापक अभिसंपादन ही एक प्रतिक्रिया आहे.
 - * इतिहासार्थे हेच्याच्या वर्दऱ्याचे प्रतिक्रियाच्या प्रवाह उंडावणे दृष्टीकरण केले जाते.
 - * उंडावणाता काढासे मावळ नाही.
 - * मावळ अध्ययनाचाली प्रतिक्रियेता महाल दिले.
 - * ऊरा, गिराकरणी गावाच्याकी दिल्यावर वर्दऱ्याच्या वर्दऱ्याकरण होते.
 - * उपपत्तीचा गाबळ: दृष्टीर्थे किंवा ही सापकानुळे अभिसंपादन होते.

पटक क्र. १. : अध्ययन उपपत्ती व अनुदेशन प्रणाली

ब्रेयांक: ०९

* १.२ पारंपरिक अध्ययन उपपत्ती (Learning Theories) :

- * ३) सिक्कन:
- * प्रयोग: उंडीत
कूटरेटी याचा बेटी.
विशिष्ट राढा दावता की अन्य बेटून पडते.
त्वार उंडावणे घेतो.
विशिष्ट जावाब होई अन्य बेटून पडत आहे.
मावळ जावाब विशिष्ट राढा दावता घेता तर अन्य विवरत नसे.
आवाजाव वाचाव झाल्याचार आवाज झाल्याचर दोडा दावून अन्य विवरिण्यास
रिकाता.

पटक क्र. १. : अध्ययन उपपत्ती व अनुदेशन प्रणाली

ब्रेयांक: ०९

- * १.२ पारंपरिक अध्ययन उपपत्ती (Learning Theories) :
- * ३) सिक्कन:
 - * प्रयोग: उंडीत
जावाब झाल्याचर अन्य विशिष्याच्या प्रवाह उंडावणे करावा लागतो.
सापाच्या सापाच कर्डन असे महागतात.
या सापाच कर्डनाची प्रतिक्रिया अभिसंपादन होते.
मानवून या अभियानातात सापक अभिसंपादन असे महागतात.
अभियानातात नेताच्या पारितोषिकानुळे मुक्तीची प्रतिक्रिया बदलकर होते.
जावाब होण्यामुळे घेतो (विशिष्ट) — राढा दावणे (प्रतिक्रिया) — वर्दऱ्याचा अभिसंपादन होणे.

पटक क्र. १. : अध्ययन उपपत्ती व अनुदेशन प्रणाली

ब्रेयांक: ०९

* १.२ पारंपरिक अध्ययन उपपत्ती (Learning Theories) :

- * ३) सिक्कन:
- * सापक अभिसंपादनचे प्रकार :
- * १. पारितोषिक अध्ययन (Reward Learning):

- * विशिष्ट प्रतिसादादार पारितोषिक अवलंबून आसते.
- * असा संबंध प्रस्थापित होतो.
- * २. लोपन अध्ययन (Omission Learning):
विशिष्ट प्रतिक्रिया ठाळ्याचा किंवा न केल्यास पारितोषिक मिळते.
- * विशिष्ट वर्तनाचा लोप करणे, म्हणूने लोपन अध्ययन होय.

PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Eklaahare Tal. & Dist. Nashik



पटक क्र. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली
*** १.२ पारापरिक अध्ययन उपयोगी (Learning Theories) :**

- १) पावर्टीन:
- सापक अभिसंधानादे प्रकार :
- ३. गिरा अध्ययन (Punishment Learning):
चुनौती दर्शन दर्शन (रिश्ता) आस संबंध प्रश्नापूर्ण असारे,
हव्यून आस स्वकामाचा प्रतिसाद टाळण्याचा प्रवलन अध्ययनकर्ता करतो,
या अध्ययनाचा निश्चा अध्ययन आसे म्हणतात.
- ४. पारापन किंवा घुटका अध्ययन (Escape Learning):
एकाचा क्लेशादाची उरीपातासूट मुटका करते खेळाची उपायेजी एकाचे
विविध घास केले बाबते लावाची त्वास मुटका अध्ययन असे म्हणतात.
उआ. सांकेतिक निश्चा अध्ययन कडूळातू यापाने उदी भाराची मदूर हस्तिक शोक
दिला जातो.

ब्रेयांक : ०१

पटक क्र. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली

- १.२ पारापरिक अध्ययन उपयोगी (Learning Theories) :

- २) पावर्टीन:
- सापक अभिसंधानादे प्रकार :
- ५. डीलिनिक सापक अध्ययन (Discriminated Operant Learning):
एकाचा उरीपातासा सावधानकरामुळे विविध प्रतिक्रियांकी एकाची विशिष्ट
प्रतिक्रिया निवडती जाते.
ती प्रतिक्रिया विशिष्ट पारिसंधिकामुळे इड होते,
यातात तीलिनिक सापक अध्ययन दगडतात.
- ६. डीलिनिक लोखन अध्ययन (Discriminated Omission Learning):
एकाचा विशिष्ट उरीपातासा प्रतिक्रियामुळे विशिष्ट प्रतिक्रिया वाढासी जाते
त्वावेदीची त्वास तीलिनिक लोखन असे म्हणतात.
उआ. विशिष्ट कांगी आहेहार वार्तात गोवळ बंद होतो.

ब्रेयांक : ०१

पटक क्र. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली
*** १.२ पारापरिक अध्ययन उपयोगी (Learning Theories) :**

- १) पावर्टीन:
- सापक अभिसंधानादे प्रकार :
- ६. विशिष्ट प्रतिसाद टाळण्याचे अध्ययन (Active Avoidance Learning):
एकाचा तीव्रकाम्या उरीपातासी, एकाची प्रतिक्रिया निश्चा टाळण्याच्या हेतूने होते,
त्वावेदीची त्वास विशिष्ट प्रतिसाद टाळण्याचे अध्ययन असे म्हणतात.
उआ. निश्चा नक्की विशिष्टी अध्ययन करतात.
- ८. डीलिनिक लोखन अध्ययन (Discriminated Punishment Learning):
विशिष्ट उरीपातासा उरीपातासी निश्चा टाळण्याच्या हेतूते प्रतिक्रिया केली जाते
नाही तेंका त्वास तीलिनिक निश्चा अध्ययन करतात.
उआ. आई-वडिसांच्या सापोर भावेटे अभ्यास करण्याचे टाळतात.

ब्रेयांक : ०१

पटक क्र. १. : अध्ययन उपयोगी व अनुदेशन प्रणाली

- सापक अभिसंधान उपयोगीचे शीक्षणिक उपयोजन :

- I. सोय प्रतिसाद: अवैध नवतात निवडते सोय प्रतिसाद आहा.
- II. बांधात: बांध दर्शनात आवैधित वाचवण लागेव बद्दीत आवैध.
उआ. बांधात, बांध.
- III. सोय दर्शनी लाभासी: सापक अभिसंधान होताचाची विशिष्टीना सोय दर्शनी लाभासी.
- IV. आवैध / बांध: अवैधतातीची बांधात आवैधी (साप) करावी लाभासी.
- V. ड्रेसात: अध्ययन होताचाची विशिष्टीना विविध ड्रेसावा बास कास्त देण्या देणे आवैधक
आहे.
- VI. सोयी तुमारा अध्ययन: विशिष्टीना तुमा लाभात घेऊन त्वाव्या शोयी तुमारा लाभेच
अवैध नाही तुमार अध्ययन कात देणे.
- VII. अवैध बांधाची बांधात: विशिष्टत अवैधित बांधाची बांधात आवैध आवैध आवैधक
आहे.
- VIII. दुटीकाम्याचा अध्ययन: विशिष्ट चांगला दर्शनी लाभाचाची दुटीकाम्याचा उर्सोग करावे.

ब्रेयांक : ०१

■ सरावासाठी प्रश्न :

- विशिष्टीची सापक अभिसंधान उपयोगी सीरिसात विद करा. सापक
- अभिसंधान उपयोगीचे शीक्षणिक महाव सोवाहण स्पष्ट करा.
- सापक अभिसंधान नहणावे काय?
- योडव्यात टीवा विहा
- सापक अभिसंधानादे प्रकार सोवाहण स्पष्ट करा.
- सापक अभिसंधान उपयोगीचे शालेय जीवनातीत महाव
- सापक अभिसंधान व अधिकात अभिसंधान यांतील फक्त स्पष्ट करा.

■ संदर्भ :

- डॉ. जगताप ह. ना. (जाने. २०१६), अध्ययन व अभ्यास, पुणे: मुख्याचा
प्रकाशन, पृष्ठ क्र. ४२-४३.
- डॉ. चलानग विशेषा (२०१०), विकास आणि अध्ययनाचे पानसारास.
- नामिक: इस्तार्ट परिलेक्टन, पृष्ठ क्र. १७९ - १८०.
- डॉ. भागले शेताजा, डॉ. महाजन संगीता, व डॉ. सोनवणे रंजना, मानसशास्त्रीय
अध्ययन, अध्ययन आणि विकासाचा दुर्विकोण (जाने. २०१६), जळगाव:
प्रांती परिलेक्टन, पृष्ठ क्र. ३०-३१.
- डॉ. भागले शेताजा, डॉ. महाजन, अध्ययन व अभ्यास (जाने. २०१६).

PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Eklaahare Tal. & Dist. Nashik



2/15/2023

मातोश्री एज्युकेशन सोसायटी संचालित,
मातोश्री शिक्षणशाखा महाविद्यालय
पुणे अधिनियम

कोर्स : २०१ शालेय शिक्षण गुणवत्ता आणि व्यवस्थापन (द्वितीय वर्ष)
Course : 201 Quality and Management of School Education

सादरकर्ते :
प्रा. शशिकांत त्र्यं. निकम
(M. A. (Eng.), M. Ed. SET (Education), D.C.M.)

कोर्स: २०९ शालेय शिक्षण गुणवत्ता आणि व्यवस्थापन (द्वितीय वर्ष)

► उद्दिष्ट्ये (Objectives)

- प्रबन्धातारी के बहुत विषय परें. Understand the concept of Management.
 - गुणवत्ता के दोषों का विवरण करती हुई गुणवत्ता का विवरण करती हुई. Understand the concept of quality and enlist the various types of its defects.
 - साली यातानी की परम्परा विषय परें. Understand the need and importance of School Accreditation.
 - ग्राहकों की सामाजिक विवरण की बोलचाल से ग्राहकों की सामाजिक विवरण की बोलचाल से Acquire knowledge regarding the concept and process of Human Resource Management in School.
 - गुणवत्ता विषय की आधारीकी पाठ्यक्रम मुख्यतः विषय के बारे में. Get acquainted with the essential infrastructural resources for quality management.
 - सम्बन्धित व उच्च शिक्षण माध्यमिक विषय व उच्च शिक्षण माध्यमिक विषय के बारे में जानकारी प्राप्त करें. Identify the problems and its management in Secondary and Higher Secondary Education.
 - प्रातिनिधि विषय विवरण विवरण विषय के बारे में परें. Become familiar with different types of School Boards in India.
 - ग्रामपाल व्रामणकारी विधायक व विधायक विधायक के बारे में जानकारी प्राप्त करें. Understand the administrative set up of Government and function of supportive Authorities.

* Course: 201 Quality and Management of School Education Credit : 04 Total Marks: 80 Mark

Unit

- > **Fundamentals of Management and Quality Management**
 - 1. Meaning and functions of Management
 - 2. Types of Management :
 - a) Time Management
 - b) Event Management
 - c) Class room management
 - 3. Modern Theories of Management
 - a) Henry Fayol b) Peter Drucker
 - 4. Concept of Quality management and SWOT Analysis.
 - 5. TQM in Education and school Accreditation Meaning, Need and criteria for School Accreditation.

- * छोरी: २०। शालेय तिथिका गुणवत्ता भाषण व्यवस्थापन (द्विनीय वर्ष) शेषांक: ०४ एकूण गुण: ६०
- पटक इक. १.: व्यवस्थापन अभियुक्तवास्तव्यवस्थापनार्थी मूलतात्रे शेषांक: ०५
- १.१ व्यवस्थापन: व्यवस्थापन अर्च व कार्य
प्रारंभिक व्यवस्थापनामूल व्यवस्थापनार्थी वार्ष. कर्तव्यात् आत्मा आहे.
- इ. स. दूर्घट काळावडा प्रारंभिक इवित्र गमील तोकाना व्यवस्थापन तंत्र अवलांग होते.
- उत्त. विवाहाप्र
व्याप्ती:
- १. व्यवस्थापन मालावे व्यवस्थापन विकास होय किंवा व्यवस्थापन मालावे गैरुपरिक व्यापी मध्यभीती प्राप्तात होय.
- २. एकादशा गैरुपरिक मध्यभीतीत व्यवस्थापन मालावी व्यापारालाई विचित्री व विविध मालावे गैरुपरिक व्यवस्थापन होय.
- ३. व्यवस्थापन ही बहुदुर्घट व्यापक असून, त्वांच्यावे एकादशा व्यवस्थापने, व्यवस्थापक, कामागार आणि कापासांचे व्यवस्थापन केले जाते; रिटर्न दुक्क
- ४. व्यवस्थापन ही एक प्रक्रिया असून, त्वा प्रक्रियेत पूर्णप्रतिष्ठित वर्द्धाव्याप्त प्रारंभाती विनियोगे व मानवी कृतीत विवरण हेतूने या व्यापीका मालावी होते; टार्डावी कामग

- * कोरों : २०१ गालेप शिरडण मुगावता आणि घ्यवऱ्यापारन (विनियोग वर्क) भेदेक : ०४ एकूण गुण : ८०
- पटक इ. १. : घ्यवऱ्यापारन आणि मुगावतामुळे घ्यवऱ्यापाराची मूलतात्वे भेदेक : ०६
- १.१. घ्यवऱ्यापारन : घ्यवऱ्यापारन अर्थ व कारबंदी
- म्यापासून :**
- 5. Management is a process of development of people. It is the process of personnel administration.
: Lawrence Appy
- 6. Management is a function, a tactic, a discipline which helps managers to carryout the functions and complete the task assigned. : Peter Drucker
- 7. To manage is to forecast to plan, to organize, to control and to co-ordinate : Henry Fayol
- 8. Management is the art of knowing what you want to do in the best and cheapest way. : Fredrick W. Taylor
- 9. Management is the art of getting things done through people's formally organized group. : Herold Keentz.

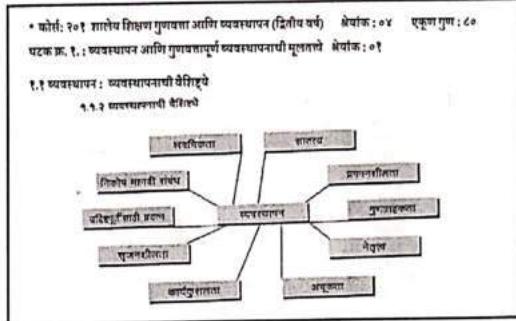


PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Eklabai Tal. - Peth, Nashik.



2/15/2023

- * कोरो: २०१ सारेपे शिल्पकाम प्राप्तिका अभि व्यवस्थापन (द्वितीय पर्य) सेपोक: ०४ एकूण पुँग: ६०
- प्रटक. अ. १. : व्यवस्थापन अभि व्यवस्थापनी प्राप्तिका मूलता सेपोक: ०१
- १.१ व्यवस्थापन: व्यवस्थापन अभि व्यवस्था
- प्राप्तिका:
- ३. व्यवस्थापन इन्हें भागी समाज संसाधनीय विकास तथा यांत्रिक-वित्तीय व्यवस्थापन द्वारा
- वित्तीय अभिका
- ४. व्यवस्थापनी कोरो तारी चालें। असुखाने जातवासी अभि भंडत वर्णनायाचारा है वहां काष्टकृत्ये व आधार उदाहरण लक्ष्य हैं। यांत्रिकी इन्हें सामाजिक व्यवस्थापन - डेविलपमेंट द्वारा



- * कोर्ट : २०१ शालेप शिहांग गुणवत्ता अभियासावान (प्रियोप वर्ण) सेप्टेम्बर : ०४ एकूण तुलना : ६० पटक अ. : अध्ययनावान अभियासावान पूर्ण अध्ययनावानी मूलतारे सेप्टेम्बर : ०१ १.१ अध्ययनावान : अध्ययनावानी विशिष्ट
- १. विकल्प याचारी संबंध : - प्रस्तुतवाना याचारी संबंध विभ. पर दित गयो. मानवी संकेत शोधकारों, शहरावारे व मानवी हितावाहे आवादेत. मानवी याचारी विभ. केवल विभागात्मक अध्ययनावान वित्त आवाद देते. विशिष्टीवर्त्तमान याचारी होते हैं जैसे ग्रन्थ.
- २. प्रियोपविशिष्टी प्राप्ति : - अध्ययनावान इस्टर्न उपर्युक्त विशिष्टी वाची तथा. राष्ट्रीय उद्योगात्मकीय संस्थान उपर्युक्त करते ताकी. मानवी विभ. विभ. विभ. विभ. अंतर्राष्ट्रीयी करते ताकी. प्रियोपविशिष्टी उपर्युक्त राजा जयसी तथा. तोते करते व पर्याप्त अधिकारी योग्यतावान दृष्टी संभव होता है. अध्ययनावानी एवं प्रशोधनावानी विभ. अध्ययनावानी दृष्टि अन्यथा परीक्षणावानी करता है. दृष्टि व प्रयोग विभेद, विभ. संस्था व अध्ययनावानी पर्याप्त होता है वाच असंदृढ़ अत्ते.

* जोड़ी: १० शालेय शिलाण मुख्यता अभियवस्थापन (दिसेव वर्ष) शेषांक: ०४ एकूण गुण: ८०
 परक त्र. १. अवस्थापन अभियुक्तापूर्वी अवस्थापनार्थी मृततावे शेषांक: ०१
 १.२ अवस्थापन: अवस्थापनार्थी शेषांक

प्रतिक्रिया विभाग

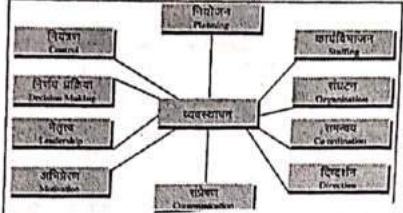
१०. तथाविकास :- तथाविकास कुले परिवर्तित्युक्तमार्थात् बहुत बहुत होय. अवस्थापन है परिवर्तितात् अर्थात् अवस्थापन दशाएँ. एवं अवस्थापन अवस्थापन बहुत योग्यतावै ऐसे मान्यता दिलायेगा. लक्षण दौड़े. साथीया दिलातारी दोष विभिन्नि करने अवश्यक होते. आगामी अवस्थापनार्थी शेषांक अद्य.

PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Eklahare Tal. & Dist. Nashik



* कोरो : २०१ गालेर तिक्काण गुणवत्ता अभियन्त्रणापान (विशेष वर्द्ध) सेप्टेंबर : ०४ एक्सा गुण : ८० पटक र. १. : अध्यवस्थापान अभियन्त्रणापूर्वक अध्यवस्थापानाची मूलतर्त्त्व सेप्टेंबर : ०५ १.१ अध्यवस्थापान : अध्यवस्थापानाची काढी

१.३ अधिकारकापनाथी कार्य



- * कोरोना : २०१ साले येव तिसऱ्या जागी व्यवस्थापन (डिट्राया पर्यंत) शेवाळक : ०४ एकूण गुण : ५०
पटक ग्र. १. : व्यवस्थापन अभियुक्तावर्षीय व्यवस्थापनाची मूलातारे शेवाळक : ०१
१.१ व्यवस्थापन : व्यवस्थापनाची काढी

१. नियोजन (Planning)

एवं ये वार्षिक सम्पर्कात् हो याहे कायदा हो. हे उत्तमायांचा नियेद्या नियोजन मुहूरतात. नियोजनात
अपेक्षा पाचासाला अधिक होण्ये. घोरे, आर्थिकी व सामाजिक सेवांची आपाती उत्तमायांची समस्या उत्तमाया
प्रदर्शनाता समाप्त होती. सांकेतिक अवधारणांचा विवाह करून हे उत्तमायांची भवित्वातील
परिस्थितिका विवाह करूयाचे हे घोरातीरत तंत्र आहे. नियोजन ही अंदाजी प्रक्रिया असून, तिच्यात
होते. पर्यावरणीय व विविधतांची घोरेणावी नियोजनातील समाप्ती होती. नियोजनातुकी वेळे, आग व पैदेयी
होण्या होती. नियोजनातील कर्मविनाशका विवरायाता तीक्ष्ण अर्थिक सामाजिक सांस्कृतिक कला वेळे.
नियोजनातील पर्यावरण तीन प्रकारे कला येती. काकानुसार, उदितांनुसार व आगामीनुसार नियोजना
अल्प मुद्रित विवा दीर्घ मुद्रित अ॒ गवत.

* कोटी: २०। शारीर शिल्प मुण्डाभांगी अभियन्त्रशायामन इडिओत्री वर्षे भेदाक: ०४ एकूण गुण: ६०
 पटक ग्र. १: श्वयशायाम अभियन्त्रमुण्डाभांगी अभियन्त्रशायामनार्थी मृत्युत्तरे भेदाक: ०१
 १.१ श्वयशायाम: श्वयशायामनार्थी कार्ये

३. फार्मिचुअल (Sulpir)

व्यवसायानन्दपूर्वकर्मात्मक निरोलानाथ व्यवसायारंभी निषेद, तथां विसरताती फल्पयत
मेहाया प्रसारात् अंतर्भूमि होते, भौतिक्यसु एकीष्वर्कर्मायारंभ तथां विषेद, अनुष्ठ, मुख्यादित्ये,
वैद्यी शृणुत्वा जाता, तथां निषेद्यांतेषु य श्वर्हित असे देण सोहा असतात्, अंतर्भूमि सोहत

|| १० ||
एक विभागात् दुसर्या विभागात् बदली, बदली, चर्चीनामा इस्यादी गोटी येतात तर
ज्ञानात् ज्ञानात् पृथग्यांतराये गाहिरात् रेखान् अर्थ मासापे विळा उप शैक्षणिक संस्थाना रिसूल
द्वारा ड्रॉफ मालवारे या गोटी येतात.

मुख्य सामग्री वैदेशिक, दृश्य, भिल्हा ग्रामवंशायत इत्यादी पातलीपुरील प्रशासन असते।

- * कोर्स: २०५ ग्रामेश्वरी अग्रणी व्यवस्थापन (द्वितीय वर्षी) शेयरक: ०४ एकूण गुण: ८०
 - * टारक इ. १: व्यवस्थापन अग्रणी ग्रामेश्वरी व्यवस्थापनाची मूलतरत्त्वे शेयरक: ०१
 - * व्यवस्थापन: व्यवस्थापनाची कार्ये

१. संस्था (Organisation)

- * कोर्टी : २०१ शालेय शिक्षण गुणवत्ता आणि व्यवस्थापन (दितीय वर्ष) श्रेयांक : ०४ एकूण गुण : ८० पटक क्र. १. : व्यवस्थापन आणि गुणवत्ता व्यवस्थापनाची मूलतारे श्रेयांक : ०१

Co-ordination (Co-Ordination)

नवन्य संबंध एवं विविध व्यक्तिगती गतिशील परस्परान्मान द्वारा लेटी जाता रिंगा नाही, हे व्यापार नवन्य दृष्टीने सांगू व्यापारांची खाणदाद घटवस्था होय. सामान उडीते सारां फारव्यासाठी सांगू व्यापार एका निर्भाव करणे हा समव्ययान उद्देश्य आहे.

नवन्य संबंध एवं विविध व्यक्तिगती नवी तर गटाची होते. हे कायर राई पातालीवर कर्म-उत्तरान ब्राह्मणात होत असेहो तरी ही जगद्दर्दी प्रत्युत्तमी एवं पातालीवर व्यापारांवरी असेहो. नवन्यात खाणदाद घटवस्था उपयोग खाणदाद लातो. सम्बन्धातीली परिवर्तनाकरता, व्यवसाय देणे, व्यापारातील विविध विविध व्यक्तिगती व्यापारातील व्यवसाय, संभावना इत्यादीवरेकरंग घटवस्थावरी

२ अप्रैल तिथीला, संस्कृत व्याख्यान, संवाद व्याख्यान, संवादवाचा काव्याद्यापेक्षण आणि अनेक दृष्टी याची अद्वितीय असेहे. निश्चित योजना परस्परिंड मूल्यवाण, प्रशासनार्थी कौशलाद्य अवधारणा सहाय्याने समाचार प्रभावू होतो.

- * कोर्स: २०१ गालिप शिक्षण गुणवत्ता आणि व्यवस्थापन (द्विरीत वर्ष) भ्रेपाळक: ०४ एकूण गुण: ६० पटक अ. १: व्यवस्थापन आणि गुणवत्ता आणि व्यवस्थापनाची मूलतत्वे भ्रेपाळक: ०१

प्राप्ति / विनाश (Inception)

दिशानक / संरागन (Directions)

प्रत्येक व्यवस्थापने प्राप्तु कार्य के हलाताली काम करण्यासाठी घटक्किंवदू ते चांगल्या प्रकारे निश्चिन्न घेणे असे असरा. आपल्याने निर्वाचित कर्तव्यान्याता काम समाप्तप्रूत ठांगावे, कामाचे निर्वाचन करण्ये आणि एक तोके दिशानक वरूपी ई व्यवस्थापनात जबाबदारी पार पाडावी लागेत.

- निश्चिन्न घेणे नस्तु दैवत द्यावा करून, निश्चिन्न करून इत्यादी बाबींचा सांवयेस होते.

दिव्यांग वर्षाना ध्यानस्थलकात आवश्या संरक्षणकार्यालये धार्ये लगतात. मुख्ये, संदिप्य नंतरीत अवधीनित स्वरूपावे आदेश परिवर्तनकारक कार्य करायलेली अडाड्याते निर्माण करतात. ते काळाच्या यांत्रिकोत्तमी सुधोम्य शब्दातिल आदेश काढेलेले गोपनीय वार्षिक धारे लागतीत.

PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Eklaahare Tal. & Dist. Nashik



* अंतर्गत: २०१ शालेय सिद्धान्त गुणवत्ता आणि व्यवस्थापन (ट्रिटीव वर्ष) सेवांक: ०५ एकूण गुण: ८०
पटक नं. १.: व्यवस्थापन आणि गुणवत्ताची व्यवस्थापनाची मूलतात्त्व सेवांक: ०१
१.१ व्यवस्थापन: व्यवस्थापनाची आठे

* कोर्टी : २०६ शालेय सिलगना गुणवत्ता आणि व्यवस्थापन (दिलोय पर्याय) संघोकाळ : ०४ एकूण गुण : ८०
 पटकाळ : १. : व्यवस्थापन आणि उपगतारूप व्यवस्थापनाची मूलतात्रे संघोकाळ : ०५
 १. व्यवस्थापन : व्यवस्थापनाची कार्ये

१. निर्णयक्रिया (Decision Making)
 व्यवस्थापन का एक निर्णय देखा जाए। उदाहरणीय संस्थाएँ अपने प्रबोधन सदृशत
 व्यवस्थापन का निर्णय घेता है औ संस्कृत निर्णयांक अन्वेषणीय समृद्धि घेता।
 शोधानीय कामकाज उद्देश्यानुरूप निर्णयांक आवंटा महालक्ष्य स्थापन जैसे निर्णयांक इ
 अनिवार्य प्रकारी प्रविष्टि अवलोकन अस्ते। काफी कार्यालयों व्यवस्थापन संस्थान अन्वेषण करने
 के बाद उन्नीस जरूर सम्भालने के लिए निवेदन देते निर्णय होते।
 निवेदन है जो व्यवस्थापनकार्यालय जैसा, विवाद, वकास यादों आपूर्ति असरात तो तो व्यवस्था
 अन्वेषण व्यवस्थापन अन्वेषण संस्थान व्यवस्थापन संगठन मध्यस्थितीय अवलोकन
 अन्वेषण व्यवस्थापनकार्यालय विवाद विवाद वकास यादों तो तो गणना वारात्मकायी व्यवस्था
 अन्वेषण व्यवस्थापनकार्यालय विवाद विवाद वकास यादों तो तो गणना वारात्मकायी व्यवस्था

* कोरोना: २०१६ ग्राहणे शिवाय तुगडारा भागी अवश्यकतावाट (द्वितीय कार्त्ति) सेप्टेंबर: ०५ एकूण तुगा: ८५ पटक तुगा: १; अवश्यकतावाट भागी तुगडारापूर्वी अवश्यकतावाटी तुगडारो सेप्टेंबर: ०१ ११ अवश्यकतावाट: अवश्यकतावाटी कार्त्ति

c. नेतृत्व (Leadership)
प्रबल नेतृत्व के लिए आदेश देना अधिकार या कानून आवश्यक नहीं इसीलिए नेतृत्व अपनी हासिली का अधिकार नहीं होता। नेतृत्व एक व्यक्ति की व्यक्तिगती का प्रतीक है। नेतृत्व एक व्यक्ति की व्यक्तिगती का प्रतीक है। नेतृत्व एक व्यक्ति की व्यक्तिगती का प्रतीक है। नेतृत्व एक व्यक्ति की व्यक्तिगती का प्रतीक है।

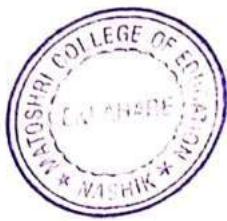
मैत्री हा सामूहिक आदर्श, जैवसंवर्द्धी सर्वदिनीन कल्याण, धीरे देशात, साहस्रांगोऽन असरप्रिभवात सद्गुरुता असतो.

- * कोसः : २०१ खालेप शिक्षण गुणवत्ता आणि व्यवस्थापन (द्वितीय वर्ष) भेदांक : ०४ एकूण गुण : ८० प्रत्यक्ष क. : व्यवस्थापन आणि गुणवत्तापूर्ण व्यवस्थापनाची मूलतार्दे भेदांक : ०१
- * २ वर्षांपासून व्यवस्थापनाची कार्ये

१२. नियंत्रण (Control) नियंत्रण स्वाक्षर नियंत्रण ही अपी प्रक्रिया आहे की, नियंत्रणार्थी घटनाकाम तर्फाचा उल्लंघन केलेले काढी स्वीकृत गोळाळा, अंदारा, उद्दिश्य यांत्रिक पूर्ण येते. याकडे तापी कलन एवज इतरात नियंत्रणात काढाऱ्ये मूल्यवान अभियंते असते यांमुळे सुधारावाक उपयोगात्मक घटना घेणे – हेरी नियंत्रण.

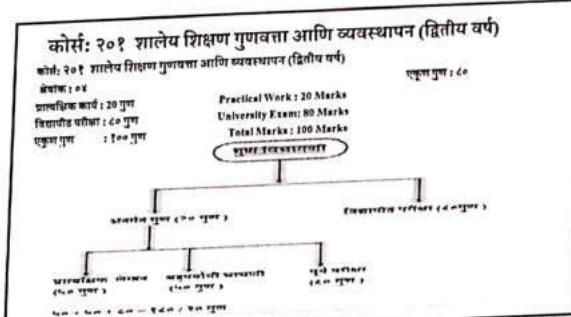
धन्यवाद !

PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Eklahare Tal. & Dist. Nashik



मातोश्री एज्युकेशन सोसायटी संचालित,
मातोश्री शिक्षणशाळा महाविद्यालय
एकलहाट, नाशिक
कोर्स : २०१ शालेय शिक्षण गुणवत्ता आणि व्यवस्थापन (द्वितीय वर्ष)
Course : 201 Quality and Management of School Education

सादरकर्ते:
प्रा. शशिकांत त्र्य. निकम
(M.A. (Eng), M.Ed. SET (Education), D.C.M.)



* कोर्स : २०१ शालेय शिक्षण गुणवत्ता आणि व्यवस्थापन (द्वितीय वर्ष)

► उद्दिष्टे (Objectives):

- व्यवस्थापनाची बाबत व वारपत्र प्राप्त करा. Understand the concept of Management.
- गुणवत्ता व अनुमतीच्या विविध आवाहांची मूली व्याप्रदृष्ट घेणे. Understand the concept of quality and enlist the dimensions of quality.
- गोपनीय आवाहांची जात व वारपत्र वारपत्र प्राप्त करा. Understand the need and importance of School Accreditation.
- गोपनीय आवाहांची जात व वारपत्र वारपत्र प्राप्त करा. Acquire knowledge regarding the concept and process of Human Resource Management in School.
- गुणवत्ता व्यवस्थापनाची वारपत्र मूल्यांकनी ओळख करा प्राप्त करा. Get acquainted with the essential infrastructural resources for quality management.
- गोपनीय आवाहांची जात व वारपत्र वारपत्र प्राप्त करा. Identify the problems and its management in Secondary and Higher Secondary Education.
- गोपनीय आवाहांची जात व वारपत्र वारपत्र प्राप्त करा. Become familiar with different types of School Boards in India.
- गोपनीय आवाहांची जात व वारपत्र वारपत्र प्राप्त करा. वारपत्र आवाहांची वारपत्र प्राप्त करा. Understand the administrative set up of Government and function of supportive Authorities.

* कोर्स : २०१ शालेय शिक्षण गुणवत्ता आणि व्यवस्थापन (द्वितीय वर्ष) सेपार्क : ०५ एकूण गुण : ८०

पद्धती क्र.	पद्धती व उप-पद्धती
१	पद्धती क्र. १.१ व्यवस्थापन आणि गुणवत्तापूर्वी व्यवस्थापनाची व्याप्रदृष्ट व्याप्तक : ०५
१.१	१.१ व्यवस्थापन
१.१.१	व्यवस्थापन भाव व वारपत्र
१.१.२	१.१.२ व्यवस्थापनाची प्रतीक
१.१.३	१.१.३ व्यवस्थापनाची व्यवस्थापन
१.१.४	१.१.४ व्यवस्थापनाची व्यवस्थापन
१.१.५	१.१.५ व्यवस्थापनाची व्यवस्थापन
१.१.६	१.१.६ व्यवस्थापनाची व्यवस्थापन
१.१.७	१.१.७ व्यवस्थापन
१.१.८	१.१.८ व्यवस्थापन
१.१.९	१.१.९ व्यवस्थापन
१.१.१०	१.१.१० व्यवस्थापन
१.१.११	१.१.११ व्यवस्थापन
१.१.१२	१.१.१२ व्यवस्थापन
१.१.१३	१.१.१३ व्यवस्थापन
१.१.१४	१.१.१४ व्यवस्थापन
१.१.१५	१.१.१५ व्यवस्थापन
१.१.१६	१.१.१६ व्यवस्थापन
१.१.१७	१.१.१७ व्यवस्थापन
१.१.१८	१.१.१८ व्यवस्थापन
१.१.१९	१.१.१९ व्यवस्थापन
१.१.२०	१.१.२० व्यवस्थापन
१.१.२१	१.१.२१ व्यवस्थापन
१.१.२२	१.१.२२ व्यवस्थापन
१.१.२३	१.१.२३ व्यवस्थापन
१.१.२४	१.१.२४ व्यवस्थापन
१.१.२५	१.१.२५ व्यवस्थापन
१.१.२६	१.१.२६ व्यवस्थापन
१.१.२७	१.१.२७ व्यवस्थापन
१.१.२८	१.१.२८ व्यवस्थापन
१.१.२९	१.१.२९ व्यवस्थापन
१.१.३०	१.१.३० व्यवस्थापन
१.१.३१	१.१.३१ व्यवस्थापन
१.१.३२	१.१.३२ व्यवस्थापन
१.१.३३	१.१.३३ व्यवस्थापन
१.१.३४	१.१.३४ व्यवस्थापन
१.१.३५	१.१.३५ व्यवस्थापन
१.१.३६	१.१.३६ व्यवस्थापन
१.१.३७	१.१.३७ व्यवस्थापन
१.१.३८	१.१.३८ व्यवस्थापन
१.१.३९	१.१.३९ व्यवस्थापन
१.१.४०	१.१.४० व्यवस्थापन
१.१.४१	१.१.४१ व्यवस्थापन
१.१.४२	१.१.४२ व्यवस्थापन
१.१.४३	१.१.४३ व्यवस्थापन
१.१.४४	१.१.४४ व्यवस्थापन
१.१.४५	१.१.४५ व्यवस्थापन
१.१.४६	१.१.४६ व्यवस्थापन
१.१.४७	१.१.४७ व्यवस्थापन
१.१.४८	१.१.४८ व्यवस्थापन
१.१.४९	१.१.४९ व्यवस्थापन
१.१.५०	१.१.५० व्यवस्थापन
१.१.५१	१.१.५१ व्यवस्थापन
१.१.५२	१.१.५२ व्यवस्थापन
१.१.५३	१.१.५३ व्यवस्थापन
१.१.५४	१.१.५४ व्यवस्थापन
१.१.५५	१.१.५५ व्यवस्थापन
१.१.५६	१.१.५६ व्यवस्थापन
१.१.५७	१.१.५७ व्यवस्थापन
१.१.५८	१.१.५८ व्यवस्थापन
१.१.५९	१.१.५९ व्यवस्थापन
१.१.६०	१.१.६० व्यवस्थापन
१.१.६१	१.१.६१ व्यवस्थापन
१.१.६२	१.१.६२ व्यवस्थापन
१.१.६३	१.१.६३ व्यवस्थापन
१.१.६४	१.१.६४ व्यवस्थापन
१.१.६५	१.१.६५ व्यवस्थापन
१.१.६६	१.१.६६ व्यवस्थापन
१.१.६७	१.१.६७ व्यवस्थापन
१.१.६८	१.१.६८ व्यवस्थापन
१.१.६९	१.१.६९ व्यवस्थापन
१.१.७०	१.१.७० व्यवस्थापन
१.१.७१	१.१.७१ व्यवस्थापन
१.१.७२	१.१.७२ व्यवस्थापन
१.१.७३	१.१.७३ व्यवस्थापन
१.१.७४	१.१.७४ व्यवस्थापन
१.१.७५	१.१.७५ व्यवस्थापन
१.१.७६	१.१.७६ व्यवस्थापन
१.१.७७	१.१.७७ व्यवस्थापन
१.१.७८	१.१.७८ व्यवस्थापन
१.१.७९	१.१.७९ व्यवस्थापन
१.१.८०	१.१.८० व्यवस्थापन
१.१.८१	१.१.८१ व्यवस्थापन
१.१.८२	१.१.८२ व्यवस्थापन
१.१.८३	१.१.८३ व्यवस्थापन
१.१.८४	१.१.८४ व्यवस्थापन
१.१.८५	१.१.८५ व्यवस्थापन
१.१.८६	१.१.८६ व्यवस्थापन
१.१.८७	१.१.८७ व्यवस्थापन
१.१.८८	१.१.८८ व्यवस्थापन
१.१.८९	१.१.८९ व्यवस्थापन
१.१.९०	१.१.९० व्यवस्थापन
१.१.९१	१.१.९१ व्यवस्थापन
१.१.९२	१.१.९२ व्यवस्थापन
१.१.९३	१.१.९३ व्यवस्थापन
१.१.९४	१.१.९४ व्यवस्थापन
१.१.९५	१.१.९५ व्यवस्थापन
१.१.९६	१.१.९६ व्यवस्थापन
१.१.९७	१.१.९७ व्यवस्थापन
१.१.९८	१.१.९८ व्यवस्थापन
१.१.९९	१.१.९९ व्यवस्थापन
१.१.१००	१.१.१०० व्यवस्थापन

* कोर्स : २०१ शालेय शिक्षण गुणवत्ता आणि व्यवस्थापन (द्वितीय वर्ष) सेपार्क : ०५ एकूण गुण : ८०

पद्धती क्र.	पद्धती व उप-पद्धती
२	पद्धती क्र. २ व्यवस्थापनाची पार्केपद्धती : मावाची आणि भौतिक पायाभूत संसाधने सेपार्क : ०५
२.१	२.१ मावाची संसाधन - विकास व प्रशिक्षण
२.१.१	२.१.१ सेवा पूर्व
२.१.२	२.१.२ सेवातीली
२.१.३	२.१.३ मावाची संसाधनाची गुणवत्ता आणि भूमिका
२.१.४	२.१.४ शिक्षक
२.१.५	२.१.५ परंपरागत आणि मुळाभ्यासक
२.१.६	२.१.६ कालक्रम - शिक्षण व प्रशिक्षण
२.१.७	२.१.७ मावाचीमध्ये उच्च मायाभूतीक शाळेशाठी आवश्यक भौतिक सुविधा
२.१.८	२.१.८ भौतिक संसाधने पूर्वाभूत व्यवस्थापन
२.१.९	२.१.९ निर्मिती
२.१.१०	२.१.१० रेडभाट
२.१.११	२.१.११ सहाय्यम वापर

PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Eklahe Tal. & Dist. Nashik



* Course: 201 Quality and Management of School Education Credit : 04 Total Marks: 80 Mark	
Unit : II Managerial Practices : Human and Infrastructural Resources	(1 Credit)
1. Training and Development of Human Resource	
a) Pre-Service b) In-service	
2. Role and Qualities of Human Resource	
a) Teacher b) Supervisor and Head Master c) Parents	
3. Leadership- Concept , Styles and Types	
4. Essential infrastructural facilities in secondary and higher secondary schools	
5. Quality Management of Infrastructural Resources.	
a) Creation b) Maintenance c) Optimum Use.	

* कोर्स: २०१ शालेय सिक्षण गुणवत्ता आणि व्यवस्थापन (द्वितीय वर्ष) ब्रेयर्क: ०४ एकूण गुण: ८०	
पटक क्र	पटक वर्तमान पटक
३	पटक क्र. ३ माध्यमिक आणि उच्च माध्यमिक साक्षातील विविध सामग्रीचे व्यवस्थापन ब्रेयर्क: ०५
३.१	३.१ रसायन व संगती
३.२	३.२ साक्षात विभागी संघेना वर्णन
३.३	३.३ शालेय सिक्षण विश्वास वापरा
३.४	३.४ विविध सामग्रीची वापरा
३.५	३.५ उच्च माध्यमिक साक्षातील साक्षातील सामग्रा व अडवाची

* Course: 201 Quality and Management of School Education Credit : 04 Total Marks: 80 Mark	
Unit : III Management of Various problems at Secondary and Higher Secondary Level	(1 Credit)
1. Wastage and stagnation	
2. Crowded classes.	
3. Discipline problem in school	
4. Vocationalisation of Education	
5. Current issues and problems at Higher Secondary Level	

* कोर्स: २०१ शालेय सिक्षण गुणवत्ता आणि व्यवस्थापन (द्वितीय वर्ष) ब्रेयर्क: ०४ एकूण गुण: ८०	
पटक क्र	पटक वर्तमान पटक
४	पटक क्र. ४ शालेय व्यवस्थापनाचे पटक आणि सिक्षणातील प्रशासकीय रचना ब्रेयर्क: ०५
४.१	४.१ शालेय वर्तमान
४.२	४.२ प्रशासकीय रचना
४.३	४.३ शालेय प्रशासकीय रचना आणि अधिकार वंशाना
४.४	४.४ शालेय वर्तमानाचे व्यवस्था
४.५	४.५ गट्टीक आणि गरव लाभवाहीत वैधानिक संस्थांची रचना

* Course: 201 Quality and Management of School Education Credit : 04 Total Marks: 80 Mark	
Unit IV : Components of School Management and Administrative setup in Education.	(1 Credit)
1. School Records- Types and its importance	
2. Co-curricular activities - Need and importance of organization of Co-curricular activities.	
3. Government administrative setup and authorities.	
4. Types of School Board-	
a) S.S.C. and H.S.C.	
b) CBSE (Central Board of Secondary Education)	
c) ICSE (International Certificate of Secondary Education)	
d) ICSE (International General Certificate of Secondary Education)	
5. Structure and functions of- NCERT, SCERT, NCTE,	

* कोर्स: २०१ शालेय सिक्षण गुणवत्ता आणि व्यवस्थापन (द्वितीय वर्ष) ब्रेयर्क: ०४ एकूण गुण: ८०	
प्राचायशिक कार्य	Practical Work :
	Practical (Any One)
1.	Study of School Management- Management of Infrastructural resources in school
2.	Organisation of any one Co-curricular activity in school and prepare a report on its management and problems faced.
3.	Preparation of an awareness programme on various multidiscipline problems faced in schools.
शालेय व्यवस्थापनाचा अभ्यास : शाळेतील स्थानिक संसाधनांच्या स्रोतांचे व्यवस्थापन Study of School Management – Management of Infrastructural Resources in School	

PRINCIPAL
Matsoshri College of Education
Chinchwad, Tal. & Dist. Nashik



५८४

PRINCIPAL



Matoshri Education Society's
Matoshri College of Education,
 Eklahare, Nashik

Course : 205 Additional Pedagogy Course : Understanding
 Disciplines and Pedagogy of school Subject : English Education.

Prepared by :

Prof. Shashikant T. Nikam
 M. A. (Eng), M. Ed, SET (Education), D.C.M.

**Unit 4 : Pedagogical Approaches, Methods
 and Learning Resources.**

• **Communicative Approach:**

➤ **Let's Discuss**

Communicative Approach:

- This is one of the most important approach for learning a language.
- Communicative Approach emphasis on real meaningful communication rather than activity topic and situations which are artificial.
- This approach is based on the concept of communicative competence.

Communicative Approach:

- The effective use of the language is the main aim of this approach.
- Language is the means of communication.
- This approach is useful for sharing ideas, thought or feelings by two or more people.

Importance of Communicative Approach:

- 1) The main objective of language is to express views, ideas, opinion properly, accurately and fluently.
- 2) This approach acquired good communication skill.
- 3) Communicative competency of learner is given more weightage than linguistic competency.
- 4) Students have liberty about the activities that they confirm in the classroom.
- 5) Student must learn communication skill in order to be successful in life and to develop a good personality.

Merits / Advantages of Communicative Approach:

- 1) This approach is most practical and functional approach.
- 2) This approach is helpful in all kinds of situations.
- 3) This approach develops speaking as well as listening skill of the students.
- 4) This is child centre approach.

PRINCIPAL
 Matoshri College of Education
 Eklahare Tal. & Dist. Nashik



Merits / Advantages of Communicative Approach: (Cont.)

- 5) This approach helpful for group work, peer work and problem solving activities.
- 6) This approach develops communication skill of the students.
- 7) This approach teaches various ways of expression of thoughts, emotions and feelings.

Demerits / Disadvantages of Communicative Approach:

- 1) This approach is incomplete approach because it ignores a no. of subskill of same area of language.
- 2) This approach is not suitable for lower classes.
- 3) This approach neglects grammar and structures.
- 4) This approach is not suitable for overcrowded classes.
- 5) This approach requires trained teachers.

Assignments:

- What is Communicative Approach?
Explain the importance, Merits, Demerits and Educational Implications of Communicative Approach.

References:

- Dr. Ghormode K. U. (Jan-2008). Methodology of Teaching of English. Nagpur: Vidya Prakashan. Page No.
- Dr. Moharil Medha (Feb-2007) Methods of English Teaching. Nagpur: Vidya Prakashan. Page No.

Thank You!

PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Eklahare Tal. & Dist. Nashik



**Matoshri Education Society's
Matoshri College of Education,
Eklahe, Nashik**

Course : 205 Additional Pedagogy Course : Understanding
Disciplines and Pedagogy of school Subject : English Education

Prepared by :

Prof. Shashikant T. Nikam
M. A. (Eng.), M. Ed, SET (Education), D.C.M.

**Unit 4 : Pedagogical Approaches, Methods and
Learning Resources.**

• **Learning Resources:**

➤ **Let's Discuss**

Learning Resources:

➤ **Meaning:**

- Learning Resources are the sources of collecting the information.
- Learning resources are texts, videos, software, and other materials that teachers use to assist students to meet the expectations for learning.
- The source which gives us the more information about the topic, content, or concept is called learning resources.

Learning Resources:

(Contd.)

- Learning Resources are very useful for learning any topic.
- It provides more information about the topic.
- It is assumed that learner can get best experience through learning resources.
- Teaching aids, dictionary, various apps and many more are the learning resources.
- Learning resources give ample scope for understanding the basic concept of the topic.
- Learning resources give ample scope for detail learning.

Need and Importance of Learning Resources:

- 1) It creates a proper image in student's mind.
- 2) It creates a proper attention of pupils.
- 3) It provides better learning experiences and clarifications.
- 4) It reduces communication restrictions.
- 5) It is user friendly.

Need and Importance of Learning Resources:

(Contd...)

- 6) It creates the interest among the learner.
- 7) It is useful for all age group.
- 8) It helps the students to understand the difficult and complicated concept.
- 9) It creates the scientific attitude among the students.
- 10) It follows the maxims from known to unknown and from concrete to abstract.

PRINCIPAL

Matoshri College of Education
Eklahe Tal. & Dist. Nashik



Classification of Learning Resources:

(i) Traditional Learning Resources

(ii) Technological Learning Resources

Classification of Learning Resources:

A) Traditional Learning Resources

- Text-Book
- Reference Book / Magazines / News Paper
- Teaching Aids (Audio-Visual Aids)
- Encyclopaedia
- Dictionary
- Replica

Classification of Learning Resources:

B) Technological Based Learning Resources

- LCD Projector
- OHP
- Language Lab
- Lingua Phone
- Mobile Apps
- Web Apps
- Websites
- Search engine
- Digital Board
- Wikipedia

A) Traditional Learning Resources:

1. Text-Book :

- Text-book is the traditional learning resource.
- It provides the learner more and detail information about the topic.
- It also provides pictures and references about the particular topic.
- Text book is the reliable source of information.

2. Reference Book / Magazines / News Paper:

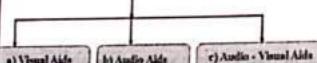
- Reference book, magazines and newspapers are also the learning resources.
- They also provides us the information.
- They are the sources of information.
- Learner can collect the more information about any topic through these learning resources.

A) Traditional Learning Resources:

3. Teaching Aids(Audio-Visual Aids) :

- Audio-Visual Aids plays vital role for learning any content.
- It provides an opportunities for better understanding.
- It helps the teacher to secure and retain attention of pupils.
- It is effective substitutes for direct contacts of pupils with the past or far off environment.
- It can be classified into three parts

Audio - Visual Aids



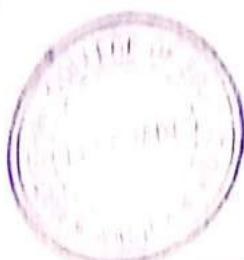
3. Teaching Aids(Audio-Visual Aids) :

a) Visual Aids:

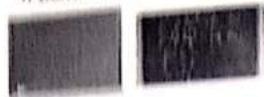
- i. Blackboard
- ii. Flannel -Board
- iii. Flash Cards
- iv. Substitution Scroll
- v. Picture
- vi. Filmstrip

Abul

PRINCIPAL
Matoshri College of Education
Eklahare Tal. & Dist. Nashik



i) Black Board:



- It is the symbol of Education.
- It is used for writing purposes.
- Teacher can write important points on it.
- Students can observe it carefully.

ii) Flannel Board:



- It is made with Flannel cloth.
- The sand paper are stuck on the back side of cut outs of papers.
- The flannel boards are used to teach picture compositions, stories and diagrams.

iii) Flash Cards:



- Cards which are flashed for a few times are known as flash cards.
- Displayed on the wall for a few times.
- They flash like bulbs used in camera.
- It is very useful for reading and speaking practice and for development of vocabulary.

iv) Substitutional Scroll:



- A Substitution Scroll requires a card sheet and some strips.
- On the card a sentence pattern is written with blanks at crucial points. On the strips the words to be substituted are written.
- The strips are inserted through the cuts on the card sheet.
- One word appears through the window and the sentence is constructed.

v) Picture:



- It becomes easier to concentrate the attention of the students.
- A picture is worth ten thousand words.
- A good and suitable picture makes the lesson lively and effective.

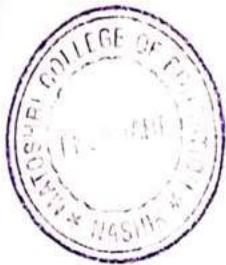
vi) Filmstrip:



- The filmstrip provides serialized and pictorial materials.
- It is a large store of knowledge.
- It is useful for teaching stories.
- It is also useful to teach vocabulary and structures.
- A slide projector or film strip projector is used.

CJ&L

PRINCIPAL
Matoshri Govt. Sec. of Edn.
Eklahara Taluk, Dist. N.

**3. Teaching Aids(Audio-Visual Aids) :****b) Audio Aids:**

- i. Radio
- ii. Tape Recorder
- iii. Record Player

i) Radio:

- It presents true spoken English
- It provides listening practice and oral work.
- It is effective means of informal education.
- Various lessons are relayed from Radio.

ii) Tape Recorder:

- It is useful in providing listening practice.
- It has flexibility in use.
- Drilling is made with the help of this tape recorder.
- It is used for singing poems with music and rhythm.
- It is also used to correct the pronunciation.
- It supplies good models for imitation.

iii) Record Player:

- The prose, passages and poems can be recorded on gramophone records, tape recorder or on computer.
- Later play on tape recorder.
- It provides listening practice to the students.

3. Teaching Aids(Audio-Visual Aids) :**c) Audio - Visual Aids:**

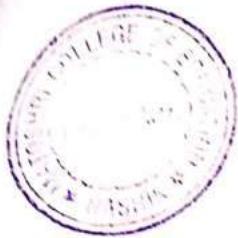
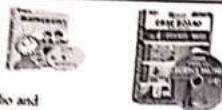
- i. Television
- ii. Educational CD's

i) Television:

- Various educational videos can play on television
- Various educational channels are available which shows the content on television
- It is very useful for learning best experiences.
- It gives an opportunity for the learner to learn the content with visual as well as listen.
- It provides listening practice to the students.

PRINCIPAL

Matoshri College of Education 4
Eklahare Taluk, Dist. Nashik

**ii) Educational CD's:**

- Content is recorded with video, audio and picture format.
- It is stored in CDs.
- It can be available for learner to see, or listen it at their own time as well.
- CD's can play on CD player or on Computer.

A) Traditional Learning Resources:**4) Encyclopaedia:**

- It is a book or set of books giving information on many subjects or on many aspects of one subject and typically arranged alphabetically.
- Encyclopaedia entries are longer and more detailed than those in most dictionaries.
- Encyclopaedia articles focus on factual information concerning the subject named in the article's title.

A) Traditional Learning Resources:**5) Dictionary:**

- Dictionary is an important instrument to comprehend the meaning of the words.
- Dictionary means a book of words listed alphabetically defined.
- It is easy to find out a particular word and its meaning.
- A dictionary is a listing of words in one or more specific languages, often arranged alphabetically which may include information on definitions, usage, pronunciations, translation.
- A book of words in one language with their equivalents in another.

A) Traditional Learning Resources:**6) Replica:**

- A replica is an exact copy, such as of a painting, as it was executed by the original artist or a copy or reproduction.
- A replica is a copying closely resembling the original concerning its shape and appearance.
- An inverted replica complements the original by filling its gaps.
- It can be a copy used for historical purposes, such as being placed in a museum.
- Sometimes the original never existed.

B) Technological Based Learning Resources:**1. LCD Projector (liquid-crystal display):**

An LCD projector is a type of video projector for displaying video, images or computer data on a screen or other flat surface.

It is a modern equivalent of the slide projector or overhead projector.

to display images, LCD (liquid-crystal display) projectors typically send light from a metal-halide lamp.

is very useful in day to day teaching-learning process. creates direct bond between content and teaching.

Students can easily understand the concept.

B) Technological Based Learning Resources: (Contd...)**Importance of LCD Projector:**

1. More efficient note-taking.
2. Interactive presentations keep children engaged.
3. Build games into your lessons.
4. Teach with a range of mediums.
5. Make better use of time in the classroom.

PRINCIPAL
**Maitland Hall College of Education
Maitland Hall, Gurgaon, Haryana**



B) Technological Based Learning Resources:

Smart Board:

- It is a screen which has a design to copy or write on it.
- It is a screen which is a two-dimensional display.
- It is a screen which is generally connected to a lot of tools.
- It is often used to teach children about maps, shapes, colors, animals, weather, colors, and other types of files.
- It can be easily used to differentiate by using various types.
- It is used in class, school, home, group.

B) Technological Based Learning Resources:

3. Digital Board / Smart Board:



- It is also known as electronic whiteboards.
- A digital whiteboard is a two-dimensional display which utilizes digital design.
- It involves a stylus or other tool for users to create digital writing, drawings or designs.
- Digital Board or Smart Board is a large interactive display in the form factor of a whiteboard.
- It can either be a standalone touchscreen computer used independently to perform tasks and interactions.
- A computer monitor can be used as a touchpad to control computers from a projector.
- It is used in a variety of settings including classrooms at all levels of education.

B) Technological Based Learning Resources:

4. Webcam:



- Webcam is a technique which converts video and audio from a camera into a video conference.
- It is a camera which is a video camera which uses a video and audio system.
- It is the equipment that records video, audio, and other information on the World Wide Web.
- It becomes important for the students to understand what is a webcam and how it is used by the Webcam.
- Webcam is used to express their feelings through cameras.

> Assignments:

- Design various learning resources.
- Explain the traditional learning resources.
- Explain the technological learning resources.
- Write short note on:
 - a. LCB Projector
 - b. Smart Board
 - c. Importance of Audio-Visual Aids
 - d. Language Lab

> References:

- Dr. Gururaj S. I. (2018). Methodology of Teaching English. Varanasi: Prakashani. Page No. 36-40.
- Dr. Nasaruddin Auda. (2012). Methods of English Teaching. Varanasi: Prakashani. Page No. 66-70.
- www.wikipedia.com

Thank You!


PRINCIPAL
 Matschi - Department of Education
 Ekshatoli, Varanasi, Dist. Muzik